Kamal.Sandesh
kamalsandesh.org
KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-05
01-15 मार्च, 2024 (पाक्षिक)
₹20

'प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है'

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन, 2024

'अबकी बार...400 पार'

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान पार्टी ध्वज फहराते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह एवं अन्य नेतागण

नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में लगी एक प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं अन्य वरिष्ठ भाजपा नेतागण

17 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन का एक भव्य दृश्य

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है : जगत प्रकाश नड्डा**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने उद्घाटन उद्बोधन में पदाधिकारियों और देश भर के प्रतिनिधियों को भाजपा की विजयी गति को आगे बढ़ाने में उनके सामूहिक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने पार्टी के...

09 **2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ भारत की छवि एक सक्षम एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरी**

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के...

18 **भाजपा– देश की आशा, विपक्ष की हताशा**

भारतीय राजनीति में विपक्ष नकारात्मकता, संकीर्णता एवं भ्रष्टाचार से घिरकर अपना उचित योगदान नहीं दे पा रहा। इस विपक्ष...

23 **अगले एक हजार वर्षों के लिए 'रामराज्य' की स्थापना का उद्घोष**

प्राचीन पावन नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पर उनके भव्य-दिव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए एक ऐतिहासिक और...

27 **कार्यकर्ताओं से 'अब की बार... 400 पार...' के नए संकल्प के साथ अपने क्षेत्रों में जाने का आग्रह**

राष्ट्रीय अधिवेशन में यहां उपस्थित और देश के कोने-कोने से जुड़े प्रत्येक भाजपा...

अन्य

भाजपा कार्यकर्ता 'श्वेत पत्र' को पंचायत एवं बूथ स्तर तक जनता के बीच ले जाएं 25

प्रधानमंत्री ने 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' जम्मू का किया उद्घाटन 32

चीनी मौसम 2024-25 के लिए चीनी मिलों द्वारा देय गन्ने के 'उचित और लाभकारी मूल्य' को मिली मंजूरी 32

हरियाणा निवेश के लिए एक शीर्ष राज्य के रूप में उभर रहा है : नरेन्द्र मोदी 33

प्रधानमंत्री ने अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का किया उद्घाटन 34

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हम 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को आत्मसात करते हुए चल रहे हैं। आज एक ओर हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों में हाइटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो रहा है।

(19 फरवरी, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

आज हम सभी उत्साहित, प्रफुल्लित व पूर्ण चैतन्य हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 और एनडीए 400 से अधिक सीटों के साथ हमें भव्य विजय प्राप्त करनी है।

(17 फरवरी, 2024)

अमित शाह

कांग्रेस ने सिर्फ सत्ता प्राप्ति के आंदोलन किये, जबकि भाजपा ने देश की सुरक्षा, सिद्धांत और जनता के लिए आंदोलन किये।

(18 फरवरी, 2024)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के संकल्प के साथ लगातार काम कर रही है। कैबिनेट की बैठक में साल 2024-25 के लिए गन्ने के 'Fair and Remunerative Price' (FRP) में 8% की वृद्धि करते हुए 340 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों के लिए लाभकारी एवं हितकारी, इस निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्रीजी के प्रति आभार प्रकट करता हूं और उन्हें धन्यवाद देता हूं।

(22 फरवरी, 2024)

बी.एल. संतोष

आप पश्चिम बंगाल पुलिस एक पेशेवर पुलिस बल की नैतिकता का अपमान कर रहे हैं। आपने इसे अनगिनत बार साबित किया है। यह एक और उदाहरण है। संदेशखली में कानून का शासन लागू करने के बजाय आप सबसे खराब तरीके से मुद्दे पर से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

(21 फरवरी, 2024)

पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में संशोधन को मंजूरी दे दी है, इस उदार नीति का लाभ इसके उप-क्षेत्रों और इसे जुड़ी गतिविधियों को मिलेगा। यह सुधार– अधिक एफडीआई प्रवाह को प्रोत्साहित करेगा, व्यापार करने में आसानी को बढ़ाएगा, निवेश में वृद्धि करेंगे, आय और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देंगे।

(22 फरवरी, 2024)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
महाशिवरात्रि (8 मार्च)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

राष्ट्र बढ़ चला सुनहरे भविष्य की ओर

हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न 'भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन' में शामिल हजारों कार्यकर्ताओं के माध्यम से 'विकसित भारत' का संदेश पूरे देश में गुंजायमान हो रहा है। 'विकसित भारत' के स्वप्न को आज जब पूरा देश 'मोदी की गारंटी' के रूप में देख रहा है, जन-जन के मन में इस स्वप्न के पूरे होने का एक दृढ़ विश्वास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश ने जिस प्रकार का व्यापक परिवर्तन देखा है, वह अपने आप में इस बात की गारंटी है कि आने वाले समय में भारत एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। कांग्रेसनीत यूपीए काल का कुशासन, समस्याओं का जंजाल, व्यापक भ्रष्टाचार, जनता के धन की भारी लूट, हर दिन बढ़ती महंगाई, लुढ़कता विकास दर, खाली होता विदेशी मुद्रा भंडार और पॉलिसी पैरालिसिस को कौन भूल सकता है? देश अब भी उन काले दिनों को नहीं भूल सकता, जब निराशा एवं हताशा हर मन-मस्तिष्क पर छाई हुई थी, तथा स्थिति ऐसी बन गई थी कि अब इस दशक को 'लॉस्ट डिकेड' (खोया हुआ दशक) माना जाता है। आज जब पिछले दस वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांस्फॉर्म' को 'स्पीड, स्केल एवं स्किल' के मंत्र से अभिमंत्रित कर कांग्रेसनीत यूपीए के दौर के दलदल से निकालने में सफलता मिली है, तब पूरी तरह से परिवर्तित भारत, उज्ज्वल भविष्य की ओर आंखों में 'विकसित भारत' के स्वप्न को लेकर देख रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश ने जिस प्रकार का व्यापक परिवर्तन देखा है, वह अपने आप में इस बात की गारंटी है कि आने वाले समय में भारत एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है

भाजपा का दो-दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ पार्टी झंडोत्तोलन, दीप-प्रज्वलन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के उद्बोधन से हुआ। इस अधिवेशन में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा से हर कार्यकर्ता के मन में राष्ट्र के प्रति सेवा का संकल्प दृढ़ से दृढ़तर हुआ है। दो प्रस्तावों पर चर्चा के साथ राष्ट्रीय अधिवेशन में श्रीराम मंदिर पर एक वक्तव्य भी प्रस्तुत हुआ, जिसमें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को एक नए कालचक्र के उद्भव के साथ आने वाले हजार वर्षों के लिए 'राम राज्य' का उद्घोष बताया गया है। 'विकसित भारत, मोदी की गारंटी' शीर्षक से पारित पहले प्रस्ताव में पिछले दस वर्षों की अद्भुत उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए देश को 'विकसित भारत' के लक्ष्यों के साथ नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प को दोहराया गया। 'भाजपा— देश की आशा, विपक्ष की हताशा' शीर्षक वाले दूसरे प्रस्ताव ने कांग्रेस तथा इसके इंडी-गठबंधन को पूरी तरह से बेनकाब करते हुए आज भारतीय राजनीति में व्याप्त हर प्रकार के दुर्गुणों एवं समस्याओं का इसे जनक बताया। आज जब हर ओर भाजपा को जन-जन का भारी आशीर्वाद मिल रहा है, कांग्रेस एवं इंडी-गठबंधन अपने सिद्धांतहीन, अवसरवादी एवं भ्रष्ट राजनीति के कारण अपने अस्तित्व तक बचाने में असमर्थ दिख रहे हैं। परिवारवादी राजनीति में इनका विश्वास एवं तुष्टीकरण की राजनीति से इनका प्यार के कारण देश में अनेक समस्याएं पैदा हुईं एवं लोगों की कई भयंकर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इंडी-गठबंधन के गरीब विरोधी नीतियों के कारण देश में भ्रष्टाचार का विषबेल पनपा और फैला तथा सत्ता कुछ परिवारों की बपौती बन गई। देश की जनता के खून-पसीने की कमाई इसी गरीब-विरोधी परिवारवादी तंत्र ने दशकों तक लूटा। भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान से स्वयं को दूर रखने वाली कांग्रेस एवं इसके इंडी-गठबंधन के दलों को जनता भलीभांति देख रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में जनता इन्हें कभी क्षमा नहीं करेगी।

जहां राष्ट्रीय अधिवेशन का पूरा परिसर 'अबकी बार 400 पार', 'फिर एक बार— मोदी सरकार' एवं 'मोदी-मोदी' के नारों से गूंज रहा था, वहीं कार्यकर्ताओं का अथाह उत्साह पूरे देश में व्याप्त वातावरण को परिलक्षित कर रहा था। अधिवेशन को रोमांचित करने वाला उमंग-उत्साह से परिपूर्ण वातावरण, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के भाषणों से कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास एवं समर्पण और भी अधिक सुदृढ़ हो रहा था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायक उद्बोधन से जहां कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ, वहीं उनके लिए उन्होंने जनसेवा के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य भी रखा। आज जब हर कार्यकर्ता 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के नए संकल्प से उत्साहित है, जनता का आशीर्वाद भाजपा पर बरस रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का उद्बोधन

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की गरिमामयी उपस्थिति में 17 एवं 18 फरवरी, 2024 को 'भारत मंडपम', नई दिल्ली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ-साथ पार्टी के तमाम केंद्रीय मंत्री, भाजपाशासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और जिलाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के अनेक पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अधिवेशन में पूरे देश से 10 हजार से अधिक भाजपा प्रतिनिधि शामिल हुए। इससे पहले 'भारत मंडपम' के परिसर में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने पार्टी ध्वज फहराया। अधिवेशन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के गायन के साथ विधिवत हुआ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने उद्घाटन उद्बोधन में पदाधिकारियों और देश भर के प्रतिनिधियों को भाजपा की विजयी गति को आगे बढ़ाने में उनके सामूहिक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने पार्टी के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अटूट प्रतिबद्धता की मुक्त कंठ से सराहना की। श्री नड्डा ने भाजपा के कठिन सफर से लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने की यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भाजपा की सफलता का श्रेय पार्टी के सदस्यों के समर्पण और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया।

श्री नड्डा के उद्बोधन के मुख्य बिंदु

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है और राजनीति में एक नया आयाम स्थापित हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा है।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा 370 का आंकड़ा पार करेगी और एनडीए को 400 से अधिक सीटें प्राप्त होंगी।
- जो विधेयक राजनैतिक द्वेष के चलते वर्षों से रुका हुआ था, वह माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 3 दिन के अंदर दोनों सदनों में पास हो गया और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की कुशल रणनीति ने धारा 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया।
- आज पार्टी जिस आयाम को स्पर्श कर रही है और संगठन जिस मजबूती के साथ जमीनी स्तर पर खड़ा हुआ है, वह हमारे मनीषी नेताओं के त्याग, उनकी तपस्या और पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के सराहनीय योगदान की वजह से ही संभव हो पाया है।
- भारतीय जनसंघ एवं भारतीय जनता पार्टी ने सात दशक के इतिहास में सभी कालखंड को देखा, जब सभी पार्टियां हमारी उपेक्षा कर रही थी। वो समय भी देखा, जब भाजपा जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ती थी, आपातकाल का संघर्ष भी देखा। कभी भाजपा के लिए केवल एक सम्मेलन हुआ करता था, वह अब महा-अधिवेशन में बदल गया है। आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सदैव देश की 4 विशेष जाति (GYAN) की बात करते हैं जिसमें गरीब, युवा, अन्नदाता किसान और नारी शक्ति शामिल हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास, सबका प्रयास से देश को को आगे बढ़ाने का काम किया है।
- हिमाचल में 1989 में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी हुई थी और वहां तय हुआ था कि हम प्रभु श्रीराम मंदिर के लिए कार्य करेंगे। हमने संकल्प लिया कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे।' विपक्षी दलों ने मजाक उड़ाकर कहा था कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे।' 500 वर्षों के अविरत संघर्ष के बाद समग्र राष्ट्र का श्रीराम मंदिर का सपना पूरा हुआ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 22 जनवरी 2024 को 11 दिन का कठोर अनुष्ठान करके राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की। उनके नेतृत्व में न केवल रामलला अपने मंदिर में विराजे बल्कि रामराज्य की परिकल्पना भी धरातल पर उतरी। मैं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करता हूं।

हिमाचल में 1989 में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी हुई थी और वहां तय हुआ था कि हम प्रभु श्रीराम मंदिर के लिए कार्य करेंगे। हमने संकल्प लिया कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे।' विपक्षी दलों ने मजाक उड़ाकर कहा था कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे।' 500 वर्षों के अविरत संघर्ष के बाद समग्र राष्ट्र का श्रीराम मंदिर का सपना पूरा हुआ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 22 जनवरी 2024 को 11 दिन का कठोर अनुष्ठान करके राम लला की प्राण–प्रतिष्ठा की। उनके नेतृत्व में न केवल रामलला अपने मंदिर में विराजे बल्कि रामराज्य की परिकल्पना भी धरातल पर उतरी

- 2009 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को देश का 18.8% समर्थन मिला था, वहीं 2014 में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में यह बढ़कर 31.3% पहुंच गया। 2019 में पार्टी ने अपना ही रिकार्ड तोड़कर 282 से बढ़कर 303 सीट हासिल की और वोट प्रतिशत 31% से बढ़कर 37% पहुंच गया।
- देश में 2014 से पहले भाजपा की सरकार केवल 5 प्रदेशों में थी, मगर आज देश के 17 प्रदेशों में एनडीए की सरकार है, जिनमें भाजपा की 12 राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार है। 2014 से पहले भाजपा 17.5% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती थी, पर यह आंकड़ा आज बढ़कर 58% तक पहुंच गया है।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी वादे को अटूट

समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ पूरे किए हैं। इससे गांव, गरीब, किसान और नारी शक्ति का सशक्तीकरण हुआ है। आजादी के बाद पहली बार हाशिए पर खड़े लोगों में यह विश्वास जगा है कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार उनकी अपनी सरकार है।

- मोदी सरकार ने देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक बहनों को गैस कनेक्शन, सौभाग्य योजना के तहत 2 करोड़ 62 लाख लोगों को घर और लगभग 18 हजार गांव में बिजली की सुविधा तथा जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ लोगों के घर तक नल से जल पहुंचाया है।
- 2014 से पहले भारत विश्व की 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था थी, मगर आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की शीर्ष पांच में है। 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी और भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी।
- भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना कोविड काल में करोड़ों मास्क बांटे, सैनिटाइजर बांटे, खाना वितरित किया और हजारों बुजुर्गों को दवाइयां पहुंचाई, जिससे ये साबित हुआ कि संगठन और सेवा अंततः विपत्ति के समय में अपने लोगों के काम आने के लिए ही है।
- नवमतदाता सम्मेलन के जरिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 32 लाख से अधिक नवमतदाताओं को संबोधित किया और युवा मोर्चा ने बखूबी इस कार्यक्रम को धरातल पर पहुंचाते हुए सफल बनाया।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह से लगभग 10 करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया और अभी भाजपा 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का कार्य कर रही है।
- भाजपा कार्यकाल में अपनाई गई नीतियों के परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा नामांकन में एससी कैटेगरी में 44%, एसटी कैटेगरी में 65% और ओबीसी कैटेगरी में 44% की बढ़ोतरी हुई है। जनधन-आधार-मोबाइल योजना से भ्रष्टाचार कम हुआ है और लगभग 30 लाख करोड़ रुपए सीधे गरीबों के खातों में पहुंचे।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने केन्द्र में लगातार दो बार सरकार बनाई। इसके साथ ही भाजपा ने उत्तराखंड में भी लगातार दो बार चुनाव जीता। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत का श्रेय जनता द्वारा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी में दिखाया गया विश्वास था।
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 'ब्राइट स्पॉट' है। दुनिया के बड़े बड़े देशों की तुलना में भारत की विकास दर सबसे अधिक 6.3 प्रतिशत है। मॉर्गन स्टेनली रिपोर्ट के अनुसार, विकासशील देशों में भारत सबसे आगे है।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के महान सपूत पूर्व प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह और श्री पी.वी. नरसिम्हा राव को 'भारत रत्न' देकर उनके द्वारा जीवन पर्यंत किये गए देशहित के कार्यों को सम्मान दिया है। साथ ही, जननायक कर्पूरी ठाकुर, श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी जी और कृषि वैज्ञानिक श्री एम.एस. स्वामीनाथन जी को भी भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय सराहनीय है।
- भारत के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में 3 लाख 75 हजार किलोमीटर सड़क बनाई है, इंटरनेट सुविधा से जुड़ने के लिए 2 लाख पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर लगाई गई है और 1300 नए विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं।
- पश्चिम बंगाल में भाजपा का मतदान प्रतिशत 10% से बढ़कर 38.5% हो गया और विधानसभा सीटों की संख्या 3 से 77 तक बढ़ गई हैं। 1997 से गुजरात में भाजपा लगातार सत्ता में रही है। हरियाणा में 2014 में ऐतिहासिक जीत हासिल की। असम में 2014 के बाद से भाजपा ने दो बार सरकार बनाई है, जो पहले एक अप्राप्य उपलब्धि मानी जाती थी।
- आज भाजपा 8 लाख 40 हजार से ज्यादा बूथों पर पहुंच चुकी है और जल्दी ही भाजपा 10 लाख बूथों तक पहुंच जाएगी। इस लक्ष्य को पूरा करने में कार्यकर्ताओं का बड़ा योगदान होगा। ■

मोदी सरकार ने देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक बहनों को गैस कनेक्शन, सौभाग्य योजना के तहत 2 करोड़ 62 लाख लोगों को घर और लगभग 18 हजार गांव में बिजली की सुविधा तथा जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ लोगों के घर तक नल से जल पहुंचाया है।

2014 से पहले भारत विश्व की 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था थी, मगर आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की शीर्ष पांच में है। 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी और भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी

प्रस्ताव-1

विकसित भारत — मोदी की गारंटी

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ भारत की छवि एक सक्षम एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरी

'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन 17 फरवरी, 2024 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 'विकसित भारत—मोदी की गारंटी' प्रस्ताव प्रस्तुत किया, इसका समर्थन केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय सूचना प्रसारण तथा मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन इस बात में अटूट विश्वास व्यक्त करता है कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार 3.0 देश में विकास की गति और तेज करते हुए सफलता के नए रिकॉर्ड बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने सर्वोच्च नेता और देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विश्वास दिलाता है कि पार्टी का पूरा संगठन, एक-एक कार्यकर्ता समर्पित भाव से उनके बताये रास्ते पर चलने के लिए कटिबद्ध है, ताकि 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना साकार हो सके।

हम प्रस्ताव का पूरा पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

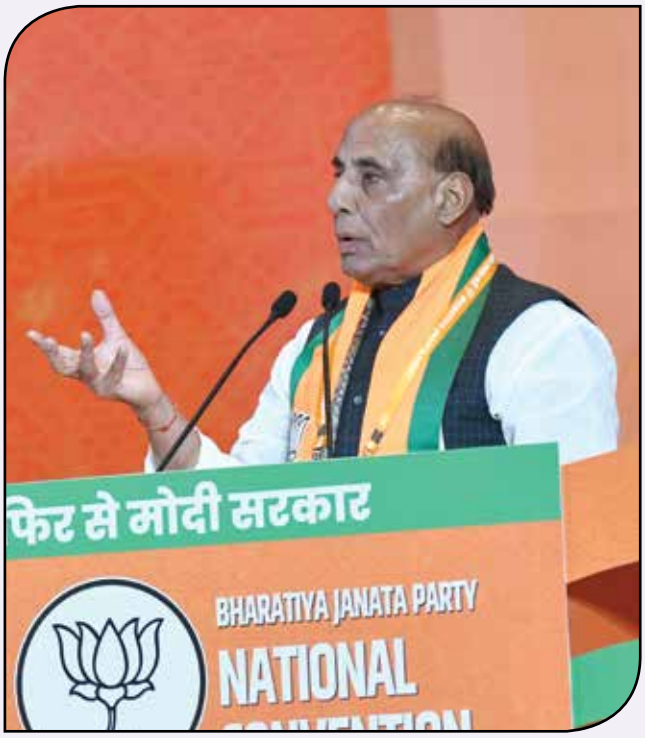

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कालजयी नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ भारत की छवि एक सक्षम और सशक्त राष्ट्र की उभरकर आई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 वर्ष 'रामराज्य' की परिकल्पना को जमीन पर उतारने वाले रहे हैं। देश ने इस दौरान सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का एक अविरल सफ़र तय किया है। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देश ने 'पंच प्रण' लेते हुए गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाई है, अपनी विरासतों पर गर्व करना सीखा है, 'विकसित भारत' के लिए अंगड़ाई लेना शुरू किया है, हर मोर्चे पर एकता व एकजुटता का प्रदर्शन किया है और देश के नागरिक भी अपने कर्तव्यों के निर्वहन को लेकर सजग हुए हैं। इन 10 वर्षों में भारत ने देश की महान लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक परंपराओं के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान किया है। बीते 10 वर्षों में देश की जनता ने 'मोदी की गारंटी' को घर-घर पहुंचते देखा और इन गारंटियों के बल पर देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। उनके नेतृत्व में बीते 10 साल में चुनावी सफलता के भी नए आयाम गढ़े गए और कच्छ से लेकर कामरूप तक और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारतीय जनता पार्टी तक भाजपा हर दिल की धड़कन बनी। राष्ट्रीय महाधिवेशन भाजपा की इस विजय यात्रा के लिए भी अपने सर्वोच्च नेता और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है और उन्हें साधुवाद देता है।

उपलब्धियों भरे 10 वर्ष और मोदी की गारंटी

कई सरकारों के कार्यकाल में 1-2 ऐतिहासिक कार्य होते हैं जो याद रखने योग्य होते हैं लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 वर्षों में सैकड़ों

ऐसे ऐतिहासिक कार्य हुए, जिसने न केवल दो तिहाई नागरिकों का जीवन स्तर ऊपर उठा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था ने भी सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, देश पहले से ज्यादा सुरक्षित और निर्णायक बना, बल्कि दुनिया में देश ने नेतृत्व का एक नया अध्याय भी जोड़ा। आज जब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है। विगत 10 वर्षों में देश ने असीमित उपलब्धियों का साक्षात्कार किया है, उसे कुछ शब्दों में बयां करना मुमकिन ही नहीं है। एक-एक उपलब्धि पर पूरी-पूरी किताब लिखी जा सकती है। देश उन निर्णायक क्षण का भी गवाह बना जब वे फैसले लिए गए जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। धारा 370 का निरस्तीकरण, अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर का बनना और उनमें रामलला का विराजमान होना, ट्रिपल तलाक का खात्मा, जीएसटी का कार्यान्वयन, नागरिकता संशोधन क़ानून, नया संसद भवन, संसद भवन में सेंगोल का स्थापित होना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता, चंद्रयान जैसी कई ऐसी उपलब्धियां बनीं, जो इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित की जायेंगी। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे और G20 ने देश में सहभागिता का नया अध्याय शुरू किया। कोविड प्रबंधन में जन-भागीदारी और सरकार के प्रबंधन की प्रशंसा पूरी दुनिया में हो रही है। हजार वर्ष बाद भी जब लोग चर्चा करेंगे, तो आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस कालजयी कालखंड की चर्चा करते नहीं थकेंगे।

'मोदी गारंटी' ने हमारी सरकार में सेनिटेशन कवरेज 40 परसेंट से 100 पर्सेंट तक पहुंची है। हमने 17 करोड़ अधिक गैस कनेक्शन दिए। शहरी गरीबों के लिए हमने गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए। 50 करोड़ से अधिक लोगों के पास आज बैंक खाता है। इन 51 करोड़ बैंक एकाउंट में 2 लाख 08 हजार 855 करोड़ रुपये जमा हैं। जन-धन, आधार और मोबाइल ने न केवल सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों में से लीकेज को ख़त्म किया है, बल्कि सब लाभार्थियों को उनका हक़ बिना किसी बिचौलिए के सीधे उनके एकाउंट में पहुंच रहा है। इनमें से आधे बैंक एकाउंट महिलाओं के हैं। 13.91 करोड़ से अधिक परिवारों को पीने का शुद्ध जल पानी नल से मिल रहा है। 55 करोड़ से अधिक गरीबों को आयुष्मान भारत कार्ड मिला है। 11 करोड़ से अधिक शौचालय बने हैं। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज की सुविधा दी गई है। अब इसे अगले 5 साल के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। मिलेट्स को बढ़ावा देने से देश के लगभग 3 करोड़ से ज्यादा छोटे किसानों का कल्याण हुआ है। भाजपा का यह राष्ट्रीय महाधिवेशन इस गरीब कल्याण योजना के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में देश पहले से ज्यादा सुरक्षित हुआ है और आतंकवाद पर करारा प्रहार किया गया है। भारत ने आतंकवाद पर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक किया, लेकिन विपक्ष ने सेना के जवानों की वीरता पर प्रश्नचिह्न लगाए। ये नया भारत है जिसके दम पर पाकिस्तान से अभिनंदन की वापसी होती है, तो क़तर से मौत की सजा पाए हमारे पूर्व नौसैनिकों की भी। आज दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे भारतीय को यह विश्वास है कि यदि वे किसी भी परेशानी में फंसेंगे, तो श्री नरेन्द्र मोदी सरकार उन्हें बाहर निकाल ही लेगी। इसकी बानगी हमने रूस-यूक्रेन युद्ध, ईराक, सीरिया, यमन और कोविड के समय भी देखा। देश को जाज्वल्यमान नेतृत्व देने के लिए भाजपा का यह राष्ट्रीय महाधिवेशन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

विगत 10 वर्षों में देश ने असीमित उपलब्धियों का साक्षात्कार किया है, उसे कुछ शब्दों में बयां करना मुमकिन ही नहीं है। एक-एक उपलब्धि पर पूरी-पूरी किताब लिखी जा सकती है। देश उन निर्णायक क्षण का भी गवाह बना जब वे फैसले लिए गए जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। धारा 370 का निरस्तीकरण, अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर का बनना और उनमें रामलला का विराजमान होना, ट्रिपल तलाक का खात्मा, जीएसटी का कार्यान्वयन, नागरिकता संशोधन क़ानून, नया संसद भवन, संसद भवन में सेंगोल का स्थापित होना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता, चंद्रयान जैसी कई ऐसी उपलब्धियां बनीं, जो इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित की जायेगीं

कांग्रेस सरकारों ने 40 वर्षों तक ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता नहीं देकर पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय किया, श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने पहले ही कार्यकाल में ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देकर पिछड़े वर्ग का सम्मान किया। कांग्रेस सरकारों ने 40 वर्षों तक 'वन रैंक, वन पेंशन' को लटकाए रखा। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक ही झटके में 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू कर देश की सेवा में जी-जान से जुटे रहने वाले भूतपूर्व सैन्यकर्मियों के साथ न्याय किया। हमने वो समय भी देखा जब सदन में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद न केवल शाहबानों के साथ अन्याय किया, बल्कि ट्रिपल तलाक को मंजूरी देकर देश की लाखों मुस्लिम महिलाओं के साथ भी अन्याय होने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'ट्रिपल तलाक' ख़त्म कर मुस्लिम बहनों को भी न्याय दिलाई। पहले महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन नहीं मिलता था। हमारी सरकार ने भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया।

कांग्रेस सरकारें बॉर्डर का विकास नहीं करने की रणनीति पर चलती थीं, जिससे देश को भारी नुकसान हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने न केवल बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती दी, बल्कि वाइब्रेंट

बॉर्डर विलेज योजना से देश के हर नागरिक को सीमावर्ती गांवों में रहने वाले अपने भाइयों से जोड़ा तथा बॉर्डर एरिया में रहने वाले लोगों के साथ होने वाले अन्याय को ख़त्म किया। भाजपा का यह राष्ट्रीय महाधिवेशन देश का मार्गदर्शन करने वाले अपने सर्वोच्च नेता आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

धारा 370 का निरस्त होना

कांग्रेस की वोटबैंक और तुष्टीकरण की लालच में धारा 370 और 35A ने जम्मू-कश्मीर को भारत से दूर कर दिया था। जनसंघ की स्थापना काल से ही हम देश में दो विधान, दो प्रधान और दो संविधान के खिलाफ थे। हमारे संस्थापक और भारत माता के सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इसके लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमारे हजारों कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए योगदान दिया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस अन्याय को ख़त्म कर जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को न्याय दिया। देश में One Nation, One Constitution का सपना साकार हुआ। आज लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

देश के क़ानून जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होते थे। जम्मू-कश्मीर से भयावह पलायन ने हर भारतवासी के दिल को झकझोर कर रख दिया था। धारा 370 और 35A ने जम्मू-कश्मीर को ऐसा प्रदेश बना दिया, जहां खुलेआम आतंकवाद और अलगाववाद पनपा और किसी में भारत का झंडा बुलंद करने की हिम्मत नहीं थी। 370 खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का नेटवर्क तबाह हो गया है। पत्थरबाजी और हिंसा जैसी चीजें अब खत्म हो गई हैं। इससे राज्य में रिकॉर्ड 1.88 करोड़ पर्यटक आए और पर्यटन के क्षेत्र में वृद्धि हुई है। 2018 में जम्मू-कश्मीर में 199 युवा आतंकवादी बने थे, ये संख्या 2023 में घटकर 12 रह गई है। जम्मू-कश्मीर में बीते 3 दशकों की उथल-पुथल के बाद आम लोग सामान्य रूप से जीवन जी रहे हैं। धारा 370 खत्म होने के बाद राज्य में शांति और विकास को लोग महसूस कर रहे हैं। अब वहां केंद्र के कानून लागू हो रहे हैं। बिजनेसमैन वहां इन्वेस्टमेंट करना चाहते हैं। पर्यटन भी बढ़ रहा है। पहले वहां हाईकोर्ट के जज राज्य के संविधान की शपथ लेते थे। अब उन पर देश का संविधान लागू करने का दायित्व है। जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने और वहां से आतंकवाद और अलगाववाद को ख़त्म कर विकास की धारा बनाने के लिए भाजपा का यह राष्ट्रीय महाधिवेशन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

कांग्रेस की वोटबैंक और तुष्टीकरण की लालच में धारा 370 और 35A ने जम्मू-कश्मीर को भारत से दूर कर दिया था। जनसंघ की स्थापना काल से ही हम देश में दो विधान, दो प्रधान और दो संविधान के खिलाफ थे। हमारे संस्थापक और भारत माता के सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इसके लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमारे हजारों कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए योगदान दिया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस अन्याय को ख़त्म कर जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को न्याय दिया। देश में One Nation, One Constitution का सपना साकार हुआ। आज लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर

भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थापना काल से ही अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए कटिबद्ध थी। हम में से किसी ने भी ये सोचा नहीं था कि ऐसा भी समय आयेगा, जब अयोध्या में भव्य मंदिर बनेगा और रामलला अपने घर में विराजमान होंगे, लेकिन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हर भारतवासी का सपना साकार हुआ और वह अविस्मरणीय तारीख 22 जनवरी, 2024 भी आ गई जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हुआ और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई।

श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जन-जन का त्योहार बनाया। उन्होंने न केवल 11 दिनों तक सभी यम-नियम का पालन कर स्वयं से सनातन संस्कृति के महत्तम अनुष्ठान का आदर्श उदाहरण स्थापित किया, बल्कि वे 11 दिनों तक प्रभु श्रीराम से जुड़े हर मंदिर में जाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके आह्वान पर स्वच्छ तीर्थस्थल अभियान ने कुछ ही दिनों में देश में आस्था के सभी प्रमुख केंद्रों का कायाकल्प कर दिया। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केवल प्रभु श्रीराम का मंदिर ही नहीं बना है, बल्कि उन्होंने रामराज्य की परिकल्पना को भी अक्षरशः पिछले 10 वर्षों में जमीन पर उतारा है। आने वाले समय में जब भी चर्चा होगी तो इस समय को इतिहासकार भारत की सभ्यतागत विरासत की निरंतर पुनः खोज में एक मील का पत्थर मानेंगे। भूमिपूजन के 4 साल से भी कम समय में रामलला अपने मंदिर में विराजमान हो पाए, इसके लिए यह राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

G-20 का सफल आयोजन

बीते वर्ष भारत ने भारत ने दुनिया के लिए बहुत कठिन समय के दौरान जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर और इसे सफल बनाकर इतिहास रच दिया। शानदार मेजबानी और नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन

(एनडीएलडी) को सर्वसम्मति के साथ स्वीकारे जाने के लिए भारत की मेहमाननवाजी और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दुनिया भर में तारीफ हुई। सभी वैश्विक चिंताओं को दूर करने और सभी विकासात्मक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर 100 फीसदी सहमति बनाना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन भारत ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इसे कर दिखाया। इतना ही नहीं, इस शिखर सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर अफ्रीकन यूनियन भी G-20 का अभिन्न अंग बना। 'भारत ग्लोबल साउथ' की आवाज बना। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने G-20 को जन-जन का कार्यक्रम बनाया। पूरी दुनिया ने भारत की मेजबानी की सराहना की। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन देश को यह महान उपलब्धि दिलाने के लिए अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

विधानसभा चुनाव और उप-चुनाव

बीते 10 वर्षों में देश ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता के बीच 'एंटी इनकम्बेंसी' के बजाय 'प्रो-इनकम्बेंसी' का नया आयाम गढ़ते देखा। Head Of The Government के तौर पर लगातार काम करते हुए आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 22 वर्ष पूरे किये हैं। उन्होंने 13 साल तक गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की और 10 वर्षों से वे देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित कर रहे हैं। हम अक्सर कई एक्सपर्ट्स को सुनते हैं कि कोविड के बाद दुनिया भर में सरकारों पर भरोसा कम हुआ है, लेकिन भारत में भारत सरकार पर देश के लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। देश की जनता को हमारी सरकार के intent और commitment दोनों पर पूरा भरोसा है। इसलिए हमारी सरकार में प्रो-इनकम्बेंसी बना, क्योंकि हमारी सरकार ने गवर्नेंस में जनभावनाओं को प्राथमिकता दी है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार देशवासियों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं और उसने लोगों की जरूरतों और लोगों के सपनों, दोनों को पूरा करने पर ध्यान दिया है। इसका परिणाम यह हुआ कि पिछले 10 साल में देश में जितने भी लोक सभा चुनाव, विधानसभा चुनाव, उप-चुनाव या स्थानीय निकाय चुनाव हुए, उनमें से अधिकतर में देश की जनता ने बार-बार भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद दिया है। गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, छत्तीसगढ़, बिहार, असम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय — हर जगह देश की जनता ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी में अटूट विश्वास जताते हुए भाजपा को सेवा का मौक़ा दिया है।

बीते 10 वर्षों में देश ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता के बीच 'एंटी इनकम्बेंसी' के बजाय 'प्रो-इनकम्बेंसी' का नया आयाम गढ़ते देखा। Head Of The Government के तौर पर लगातार काम करते हुए आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 22 वर्ष पूरे किये हैं। उन्होंने 13 साल तक गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की और 10 वर्षों से वे देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित कर रहे हैं। हम अक्सर कई एक्सपर्ट्स को सुनते हैं कि कोविड के बाद दुनिया भर में सरकारों पर भरोसा कम हुआ है, लेकिन भारत में भारत सरकार पर देश के लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है

देश की जनता ने जहां भी कांग्रेस को चुना, कुछ ही दिनों में उनका कांग्रेस की सरकारों से मोहभंग हो गया और वहां भी वापसी हुई। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान इस बात का गवाह है। जहां भाजपा अब तक सत्ता में नहीं आ पाई, वहां भी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने अपने प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 3 से 77 सीटों का सफ़र तय किया और मुख्य विपक्षी पार्टी बनी, तेलंगाना में भाजपा ने 1 से 8 का सफ़र तय किया, तमिलनाडु और केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया और पुदुच्चेरी में भी भाजपा की सरकार बनी। सिक्किम, नागालैंड एवं पुदुच्चेरी से राज्यसभा में भाजपा के सांसद निर्वाचित हुए।

पिछले साल देश में 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए जिसमें से 6 राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में भाजपा की सरकार बनी। इन चुनावों ने दिखा दिया कि देश की जनता को केवल और केवल 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा है। चुनाव परिणामों ने घमंडिया गठबंधन द्वारा समाज में विभाजन की जाति आधारित राजनीति को भी करारा जवाब दिया। मध्य प्रदेश में भाजपा ने रिकॉर्ड जीत दर्ज करते हुए 48.62% वोट शेयर के साथ 230 में से 163 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस केवल 66 पर सिमट गई। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 90 में से 54 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा को 46.27 प्रतिशत वोट मिले। राजस्थान में भी भाजपा ने 115 सीटों पर जीत के साथ कांग्रेस से सत्ता छीनी। पूर्वोत्तर से एक बार पुनः कांग्रेस का सफाया हुआ। भारतीय जनता पार्टी का यह राष्ट्रीय महाधिवेशन इस भव्य विजय के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई देता है और उनका अभिनंदन करता है। राष्ट्रीय महाधिवेशन इस भव्य विजय के लिए अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी अभिनंदन करता है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

भारत ने नवंबर-दिसंबर और जनवरी के महीने में पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा का सफल आयोजन देखा है। गांव-गांव मोदी की गारंटी की गाड़ी जाती थी, और गांव में जो कोई लाभार्थी रह गया हो तो उसको ढूंढ़ती थी। और पूरे देश में लाखों गांव में भारत सरकार सीधी उनके पास गई हो, ऐसा आजादी के 75 साल में पहली बार हुआ है। इस

यात्रा के दौरान 50 लाख से ज्यादा आयुष्मान कार्ड दिए गए। 50 लाख से ज्यादा लोगों ने बीमा योजनाओं के लिए आवेदन किया। 33 लाख से ज्यादा नए लाभार्थी पीएम किसान योजना से जोड़े गए। 25 लाख से ज्यादा नए लाभार्थी किसान क्रेडिट कार्ड के जोड़े गए। 22 लाख से ज्यादा नए लाभार्थियों ने मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए अप्लाई किया। 10 लाख से ज्यादा लोगों ने पीएम स्वनिधि का लाभ उठाने के लिए आवेदन दिया। करोड़ों-लाखों की ये संख्या किसी के लिए महज आंकड़े हो सकते हैं, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए ये संख्या सिर्फ आंकड़ा नहीं है, एक जीवन है। हम ऐसे संवेदनशील और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का दिल की गहराइयों से अभिनंदन करते हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में देश की महान सनातन संस्कृति का सम्मान

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का काम किया है। योग, आयुर्वेद और भारतीय भाषाओं के संरक्षण के साथ-साथ काशी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर, करतारपुर कॉरिडोर, पावागढ़ शक्तिपीठ का पुनर्निर्माण और केदारनाथ, बद्रीनाथ एवं सोमनाथ धाम जैसे सांस्कृतिक केंद्रों के पुनरुद्धार के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है। आज उनके नेतृत्व में भारत की महान सांस्कृतिक विरासत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। तीन दिन पहले ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आबूधाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में भव्य मंदिर का उद्घाटन किया है। यह बदलते भारत का परिचायक है। आज जब भी कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष यहां आते हैं या हमारे प्रधानमंत्री जी दूसरे देशों के दौरे पर जाते हैं तो वे श्रीमद्भगवद्गीता, तुलसी का पौधा या भारतीय संस्कृति से जुड़े प्रतीक चिह्नों को भेंट करते हैं। देश की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्स्थापित करने वाले महानायक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का यह राष्ट्रीय अधिवेशन हार्दिक अभिनंदन करता है।

भारत रत्न और पद्मश्री सम्मान

चाहे देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न हो या पद्म पुरस्कार हो, आजादी के बाद पहली बार यह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में 'एलीट कैटेगरी' से बाहर निकला है। पद्म पुरस्कार अब वैसे गुमनाम समाजसेवियों को मिल रहे हैं, समाज में हाशिये पर खड़ी जातियों एवं समुदायों तक ये पहुंच रहे हैं, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। अब ये पुरस्कार पार्टी, विचारधारा या लॉबीइंग पर नहीं दिए जाते, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में उनके योगदान को देख कर दिए जाते ।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के पांच सपूतों जननायक कर्पूरी ठाकुर जी (मरणोपरांत), किसानों के कल्याण के लिए समर्पित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी (मरणोपरांत), देश में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव जी (मरणोपरांत), प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन जी (मरणोपरांत) और आपातकाल के खिलाफ लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वाले देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने के निर्णय का भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन स्वागत करता है और इस निर्णय के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनंदन करता है।

चाहे देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न हो या पद्म पुरस्कार हो, आजादी के बाद पहली बार यह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में 'एलीट कैटेगरी' से बाहर निकला है। पद्म पुरस्कार अब वैसे गुमनाम समाजसेवियों को मिल रहे हैं, समाज में हाशिये पर खड़ी जातियों एवं समुदायों तक ये पहुंच रहे हैं, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। अब ये पुरस्कार पार्टी, विचारधारा या लॉबीइंग पर नहीं दिए जाते, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में उनके योगदान को देख कर दिए जाते

नया संसद भवन

पिछले साल देश ने गुलामी की दासता से मुक्ति पाते हुए नए संसद भवन का भी शुभारंभ होते हुए देखा। हमने इस नए 'स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट' संसद भवन में न्याय के प्रतीक सेंगोल की स्थापना भी होते हुए देखी। लेकिन राष्ट्रीय महत्व और लोकतंत्र के इस भव्य मंदिर के उद्घाटन से भी कांग्रेस सहित 'इंडी गठबंधन' ने बायकॉट किया जो कि अत्यंत निंदनीय घटना थी। कांग्रेस की सरकार के दौरान ही नए संसद भवन की जरूरत पर जोर दिया गया था। संसद भवन की नई इमारत 'आत्मनिर्भर भारत' की दृष्टि का एक आंतरिक हिस्सा है और आजादी के बाद पहली बार लोगों की संसद बनाने का एक शानदार अवसर होगा, जो 'न्यू इंडिया' की जरूरतों और आकांक्षाओं से मेल खाएगा। हम रिकॉर्ड समय में देश को नया संसद भवन देने के लिए अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

महिलाओं के कल्याण और उत्थान के लिए जितने काम श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में हुए, उतने कभी भी नहीं हुए। 27 वर्षों से लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देने की मांग चली आ रही थी। 'अमृतकाल' में नये संसद भवन में प्रवेश करते ही महिलाओं को सक्षम बनाने के उद्देश्य से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' पारित कर श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने इतिहास रच दिया। निश्चित ही यह नये व विकसित भारत का प्रतिबिम्ब है। यह आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र की महिलाओं के प्रति कृतज्ञता को

दर्शाता है। भारत में नारी शक्ति राष्ट्र को मजबूत करती है तथा समाज को धारण करती है और देवी 'मां' की भांति सदा-सर्वदा उसका पालन पोषण एवं संस्कारित करती है। यदि महिलाएं देश को आगे ले जाने का संकल्प ले लें तो दुनिया की ऐसी कोई शक्ति नहीं जो उन्हें परास्त कर सके। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन महिलाओं को सशक्त करने के लिए इस ऐतिहासिक अधिनियम को पारित कराने के लिए अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

अंतरिक्ष में देश की उड़ान

भारत ने 2023 में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी कई कीर्तिमान स्थापित किया। चंद्रयान-III ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बना। यह हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है। केवल चार साल में चंद्रयान-III मिशन का सफल होना बिना आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सहयोग के संभव नहीं था। इतना ही नहीं, भारत ने सफल तरीके से सूर्य का अध्ययन करने हेतु आदित्य L-1 मिशन को लॉन्च कर और इसे लेंगर पॉइंट पर स्थापित कर एक और कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। ऐसा कर भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया जिसने सूर्य का अध्ययन करने के लिए सफलतापूर्वक मिशन लॉन्च किया है। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन इन महान उपलब्धियों के लिए देश के वैज्ञानिकों को धन्यवाद देती है और अपने प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन करता है।

देश की आजादी के बाद से ही अंग्रेजों के ज़माने में लागू हुए कानूनों में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसे भी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने ख़त्म कर इसकी जगह 'भारतीय न्याय संहिता 2023' को स्थापित किया। भारतीय न्याय संहिता 2023 सन् 1860 की पुरानी दंड संहिता की जगह लेगी। यह गुलामी की दासता से मुक्ति की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन इस ऐतिहासिक बदलाव का स्वागत करती है और इसके लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी को बधाई देते हुए अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है

जाति आधारित राजनीति बनाम हर वर्ग का कल्याण

एक ओर 'इंडी गठबंधन' जहां जाति आधारित विभाजनकारी राजनीति करने में व्यस्त है, वहीं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्पष्ट कर दिया है कि देश में केवल चार ही जातियां हैं— गरीब, किसान, युवा और महिलाएं। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की हर योजना के केंद्र में देश के गरीब, किसान, युवा और महिलायें समाहित हैं। यह न केवल इन्हें सशक्त बनाएगा, बल्कि देश को भी दुनिया में अग्रणी बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों को अगले पांच साल तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। संभवतः, इतिहास में यह अपनी तरह का सबसे बड़ा जन-कल्याण कार्यक्रम है। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन देश से जाति, परिवार और तुष्टीकरण की राजनीति को ख़त्म कर 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर देश के सर्व-स्पर्शी और सर्व-समावेशी विकास के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता है।

भारतीय न्याय संहिता

देश की आजादी के बाद से ही अंग्रेजों के ज़माने में लागू हुए कानूनों में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसे भी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने ख़त्म कर इसकी जगह 'भारतीय न्याय संहिता 2023' को स्थापित किया। भारतीय न्याय संहिता 2023 सन् 1860 की पुरानी दंड संहिता की जगह लेगी। यह गुलामी की दासता से मुक्ति की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन इस ऐतिहासिक बदलाव का स्वागत करता है और इसके लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी को बधाई देते हुए अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

इंटरनेशनल इयर ऑफ़ मिलेट्स

सदियों तक मिलेट यानी मोटे अनाज (श्री अन्न) भारत के मुख्य आहार रहे, लेकिन धीरे-धीरे ये मोटे अनाज बिलकुल हाशिए पर चले गए। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ़ मिलेट्स के रूप में मनाया गया। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मिलेट्स को 'श्री अन्न' की संज्ञा दी। ग्लोबल मिलेट्स (श्री अन्न) कॉन्फ्रेंस भी आयोजित किया गया। एशिया में उपजने वाला 80 प्रतिशत से अधिक मिलेट्स का उत्पादन भारत में होता है। इससे भारत के छोटे किसानों को बहुत फायदा होगा, साथ ही यह लोगों को स्वस्थ रखने में भी मदद करेगा। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन मिलेट्स के प्रति पूरे विश्व को एक मंच पर लाने और इसे बढ़ावा देने के लिए अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

हिमाचल में भीषण प्राकृतिक आपदा

बीते साल हिमाचल प्रदेश ने भीषण प्राकृतिक आपदा को झेला है। इसमें जान-माल की काफी क्षति हुई। भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन

हिमाचल प्रदेश में इस आपदा के पीड़ित लोगों और परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। जिस त्वरित गति से श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने हिमाचल प्रदेश को मदद उपलब्ध कराई, वह सराहनीय है। हमारे गृह मंत्री जी ने भी तुरंत ही आवश्यक कदम उठाये। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी लगातार स्थानीय सरकार के साथ संपर्क में रहे, प्रभावित इलाकों का दौरा किया और सहायता उपलब्ध कराने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी को इसके लिए साधुवाद देता है।

मेरी माटी—मेरा देश

बीते साल आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'मेरी माटी - मेरा देश' जैसा देशभक्ति का अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अखिल भारतीय सम्पर्क पहल का लक्ष्य देश के हर घर तक पहुंचना रहा। राष्ट्रव्यापी अभियान 'मेरी माटी मेरा देश' के तहत राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले नाम-अनाम देश के सभी सपूतों को सम्मानित किया गया। अभियान के दौरान देशभर के 4419 ब्लॉकों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। देश के हर कोने से मिट्टी एकत्र की गई, जिसे एक कलश में रखकर आजादी का अमृत महोत्सव के समापन अवसर पर समारोहपूर्वक अमृत वाटिका और अमृत महोत्सव स्मारक में स्थापित किया गया। पूरे राष्ट्र को देशभक्ति के एक सूत्र में पिरोने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भाजपा का राष्ट्रीय महाधिवेशन हार्दिक अभिनंदन करता है।

संदेशखली, पश्चिम बंगाल में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना निंदनीय और भर्त्सनीय

हाल ही में एक घटना ने पूरे देश को झकझोर करके रख दिया है। पश्चिम बंगाल के संदेशखली से दिल दहलाने वाली भयावह घटना सामने आई है। आजाद भारत में इतना बर्बर और इतनी दर्दनाक घटना हम में से किसी ने भी नहीं सुनी थी। यह न केवल पश्चिम बंगाल को कलंकित करने वाली घटना है, बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। जिस तरह से एक महिला मुख्यमंत्री के संरक्षण में पल रहे उनके नेताओं और उसके गैंग द्वारा महिलाओं की मान-मर्यादा का चीरहरण किया गया, वह एक सभ्य समाज की निशानी तो कतई नहीं हो सकती। भारतीय जनता पार्टी इस वीभत्स घटना की कड़ी निंदा करती है और अपराधियों पर अविलंब कड़ी कार्रवाई की मांग करती है।

किसान कल्याण

कांग्रेस के समय कृषि के लिए कुल वार्षिक बजट होता था— 25 हजार करोड़ रुपये। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में कृषि कल्याण का बजट है सवा लाख करोड़ रुपये। कांग्रेस ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 7 लाख करोड़ रुपये का धान और गेहूं किसानों से खरीदा था। मोदी सरकार ने 10 वर्षों में करीब 18 लाख करोड़ रुपए का धान, गेहूं खरीदा है। कांग्रेस सरकार ने दलहन और तिलहन की खरीदी नाम मात्र की। हमने सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का दलहन और तिलहन खरीदा है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के एकाउंट में भेजे गए। पीएम फसल बीमा योजना में 1.5 लाख करोड़ रुपया किसानों को दिया गया है। पहली बार देश में मछुआरों के लिए अलग मंत्रालय बना, पशुपालन के लिए अलग मंत्रालय बना। पहली बार पशुपालक को, मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड दिया गया, ताकि कम ब्याज से उसको बैंक से पैसा मिल सके वो अपना कारोबार बढ़ा सके। हमने फुट एंड माउथ disease से पशुओं को बचाने के लिए 50 करोड़ से ज्यादा टीके लगाए हैं, पहले कभी सोचा नहीं था किसी ने। किसान कल्याण का एक नया अध्याय लिखने के लिए यह राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वागत करता है।

कांग्रेस के समय कृषि के लिए कुल वार्षिक बजट होता था— 25 हजार करोड़ रुपये। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में कृषि कल्याण का बजट है सवा लाख करोड़ रुपये। कांग्रेस ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 7 लाख करोड़ रुपये का धान और गेहूं किसानों से खरीदा था। मोदी सरकार ने 10 वर्षों में करीब 18 लाख करोड़ रुपए का धान, गेहूं खरीदा है। कांग्रेस सरकार ने दलहन और तिलहन की खरीदी नाम मात्र की। हमने सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का दलहन और तिलहन खरीदा है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के एकाउंट में भेजे गए। पीएम फसल बीमा योजना में 1.5 लाख करोड़ रुपया किसानों को दिया गया है

अर्थव्यवस्था की उड़ान

भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। भारत ने 10 वर्षों में फ्रैजाइल 5 से टॉप 5 का सफ़र तय किया है। भारत अब 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। 2047 से पहले 'विकसित भारत' का सपना जरूर साकार होगा क्योंकि ये 'श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी' है। हमारी सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर हाल के वर्षों में लगातार दुनिया में सबसे अधिक बनी हुई है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर

है। पीएम गति शक्ति योजना, प्रोडक्ट लिंक इंसेंटिव जैसी योजनाओं ने देश की अर्थव्यस्था की काफी मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, मुद्रा योजना, रोजगार मेला, पर्यटन नीति, ड्रोन पॉलिसी, डिफेंस कॉरिडोर, फ्रेट कॉरिडोर, इकॉनोमिक कॉरिडोर जैसे कई इनिशिएटिव ने देश में रोजगार के असीम अवसर उत्पन्न किये हैं। रोजगार मेला के तहत कुछ ही महीनों में अब तक लगभग 8 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है।

बैंकिंग क्षेत्र में सराहनीय पुनरुद्धार हुआ है और पूरे वित्तीय क्षेत्र की सेहत में सुधार हुआ है। सकल एनपीए सितंबर 2023 में दशक के निचले स्तर 3.2% पर है, जो 2017-18 में अपने चरम मूल्य 11.2% से काफी कम है। पिछले तीन वर्षों में भारत लगातार 7+% की वृद्धि दर से आगे बढ़ रहा है। 2014-24 के दौरान औसत सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 7.1% है।

2014 में लगभग सभी स्मार्टफोन आयात करने के बाद भारत में स्मार्टफोन के घरेलू उत्पादन में 11 गुना वृद्धि देखी गई और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता बन गया है, जिसने पिछले साल अकेले 1,00,000 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन का निर्यात किया था। Apple, Samsung, Motorola, Google जैसे वैश्विक स्मार्टफोन ब्रांडों सहित प्रत्येक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड भारत को अपना पसंदीदा विनिर्माण आधार बना रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की दूरदर्शी सेमीकॉन इंडिया नीतियों के बल पर वैश्विक सेमीकंडक्टर दिग्गज भारत में पैकेजिंग और फैब्रिकेटिंग सेमीकंडक्टर संयंत्रों के लिए संयंत्र स्थापित कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, औद्योगिक, दूरसंचार और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों को और बढ़ावा दे रहा है। जीएसटी में राज्यों का हिस्सा भी पहले की तुलना में काफी बढ़ा है।

यूपीए की सरकार में पिछली एनडीए सरकार द्वारा शुरू की गई सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में काफी मंदी आई थी, चाहे वह स्वर्णिम चतुर्भुज, ग्राम सड़क योजना या उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम गलियारे हों। निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में कई बड़ी और महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं या तो निरंतर 'निर्माणाधीन' स्थिति में थीं या बंद कर दी गई थीं। बड़ी संख्या में खोई हुई और विलंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया गया है, जैसेकि सरयू नहर (43 वर्षों के बाद पूरी हुई)। बोगीबील ब्रिज (16 साल बाद), कोसी ब्रिज (86 साल बाद), ज्वार हवाई अड्डा (16 साल बाद), बीदर कलबुर्गी रेल लाइन (17 साल बाद) योजना भी श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में पूरी हुई। सरकार ने कोयला क्षेत्र को प्रभावी ढंग से साफ कर दिया है और 'वन नेशन, वन ग्रिड, वन फ्रीक्वेंसी' ने ऊर्जा आवश्यकता और आपूर्ति की गई ऊर्जा के बीच अंतर को 2013-14 में 4.2% से घटाकर 2023-24 में केवल 0.3% कर दिया है।

मुद्रा योजना में सरकार ने 46 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे भारी संख्या में रोजगार का सृजन हुआ है। स्टैंड-अप इंडिया के तहत नया व्यवसाय शुरू करने के लिए लगभग 2.15 लाख महिला/एससी/एसटी उद्यमियों को लगभग 49,000 करोड़ रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत किया गया। 63.4 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि योजना के तहत संपार्श्विक-मुक्त ऋण के रूप में 10,000 करोड़ प्रदान किए गए। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों के परिवारों को कौशल प्रशिक्षण और संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहित शुरू से अंत तक समग्र सहायता प्रदान की जा रही है। इससे हाशिये पर विकास से दूर रही जातियों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा दिया गया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी विजन से करीब एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुद्रा योजना में सरकार ने 46 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे भारी संख्या में रोजगार का सृजन हुआ है। स्टैंड-अप इंडिया के तहत नया व्यवसाय शुरू करने के लिए लगभग 2.15 लाख महिला/एससी/एसटी उद्यमियों को लगभग 49,000 करोड़ रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत किया गया। 63.4 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि योजना के तहत संपार्श्विक-मुक्त ऋण के रूप में 10,000 करोड़ प्रदान किए गए। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों के परिवारों को कौशल प्रशिक्षण और संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहित शुरू से अंत तक समग्र सहायता प्रदान की जा रही है। इससे हाशिये पर विकास से दूर रही जातियों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा रहा है

उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर लगभग 3.5 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत हैं। एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत गारंटी के रूप में पिछले कुछ वर्षों में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये (2014 से पहले की तुलना में 6 गुना अधिक) स्वीकृत किए गए हैं। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम भारत में विचारों से लेकर नवप्रवर्तन तक का लांचपैड बन गया है। डिफेंस सेक्टर में भारत ने एक्सपोर्ट के अब तक के अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पहली बार राफेल हमारे लड़ाकू बेड़े में शामिल हुआ। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18 करोड़ गांवों में बिजली नहीं थी। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने हर गांव, हर घर को बिजली से जोड़ा।

2014 में देश में केवल नाम-मात्र के ही स्टार्ट-अप्स थे, आज 1 लाख 20 हजार 310 स्टार्ट-अप्स हैं। मतलब आजादी के 70 साल में देश में केवल गिने-चुने स्टार्ट-अप्स बने, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार

के केवल 10 साल में लगभग 1 लाख 20 हजार स्टार्ट-अप्स बने। यानी मोदी सरकार के हर साल में देश में 12 हजार स्टार्ट-अप्स बने। साथ ही आज 110 से अधिक भी है।

2016 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से हर खेत तक पानी पहुंचाने का ऐलान किया। 2014 में 36.7% भूमि सिंचाई के अंतर्गत आती थी, आज 51 प्रतिशत से अधिक भूमि सिंचित है।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 75 वंदे भारत ट्रेन से देश के हर कोने को जोड़ने का भी ऐलान किया था। अब तक 41 वंदे भारत ट्रेनें शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल, नेशनल हाइड्रोजन मिशन का भी एलान किया था। हर एक योजना पर काम चल रहा है।

कांग्रेस सरकार में प्रतिदिन लगभग 69 किमी सड़क बनती थी, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में 130 किमी सड़क प्रतिदिन बन रही है। 2014 में देश में रेल लाइन की कुल लम्बाई 22,048 किमी थी, जो केवल 10 साल में बढ़कर 55,198 किमी हो गई है। 2014 में देश में एक्सप्रेस-वे की कुल लम्बाई 680 किमी थी, आज यह 4,067 किमी है। 2014 में देश की प्रति व्यक्ति आय 86,467 रुपये थी, आज यह 1,72,000 रुपए है। आजादी से 2014 तक देश के केवल 55 प्रतिशत गांव ही पीएम ग्राम सड़क योजना से जुड़े थे, आज 10 साल में 4 लाख किमी से अधिक ग्रामीण सड़कें बनाकर यह आंकड़ा 99 प्रतिशत तक पहुंच गया है। आजादी से 2014 तक देश में केवल 7 AIIMS थे, आज 22 हैं। IIMs 13 से बढ़कर 20 हुआ है, IITs की संख्या 16 से बढ़कर 23 हुई है। मेडिकल कॉलेज 387 से बढ़कर 660 हुए हैं और इसमें सीटों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

मुद्रा योजना, स्वनिधि योजना, स्वाबलंबन योजना, पीएलआई, गतिशक्ति योजना, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया जैसे इनिशिएटिव से युवाओं को आगे बढ़ने का एक खुला आसमान मिला। देश को आर्थिक रूप से सबल बनाने और दुनिया में अग्रणी बनाने हेतु यह राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

कोविड प्रबंधन

पहले हम किसी भी महामारी या बीमारी के टीके के लिए इम्पोर्ट पर निर्भर रहते थे। कई-कई बीमारियों के टीके के लिए तो देश को दशकों तक तरसना पड़ता था। कोविड के दौरान आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से केवल 9 महीने में ही दो-दो विश्वस्तरीय स्वदेशी टीका डेवलप हुआ और उसका इम्प्लीमेंटेशन भी हुआ। रिकॉर्ड समय में 220 करोड़ से अधिक डबल डोज वैक्सीनेशन हुआ। करोड़ों लोगों को कोविड का तीसरा डोज भी दिया गया और यह पूरा वैक्सीनेशन कार्यक्रम श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से आम नागरिकों के हित में 'फ्री ऑफ़ कॉस्ट' चलाया गया। विपक्ष ने वैक्सीन की गुणवत्ता पर देश के वैज्ञानिकों पर तमाम तरह के प्रश्न चिह्न लगाए, लेकिन देश की जनता ने उनकी एक न सुनी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर देश के जन-जन ने कोरोना के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई को लड़ा, कोरोना वॉरियर्स को प्रोत्साहित किया और भाजपा ने 'सेवा ही संगठन' अभियान के तहत मानवता की सेवा की अनुपम मिसाल पेश की। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कोरोना काल में समग्र भारतवर्ष को सुरक्षित किया, उनके लिए मुफ्त भोजन और दवाइयों का प्रबंध किया, डॉक्टरों तथा हेल्थ वर्कर्स के साथ लगातार बात कर उनका उत्साहवर्धन किया। भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन को अपने यशस्वी प्रधानमंत्री पर गर्व है।

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अटूट श्रद्धा और विश्वास व्यक्त करता है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से केंद्र में सरकार बनाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भाजपा निश्चित तौर पर 370 सीटों पर जीत का आंकड़ा पार करेगी और एनडीए 400 के पार जाएगा। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन इस बात में अटूट विश्वास व्यक्त करता है कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार 3.0 देश में विकास के गति को और तेज करते हुए सफलता के नए रिकॉर्ड बनाएगी।

2024 में लगातार तीसरी बार, मोदी सरकार

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अटूट श्रद्धा और विश्वास व्यक्त करता है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से केंद्र में सरकार बनाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भाजपा निश्चित तौर पर 370 सीटों पर जीत का आंकड़ा पार करेगी और एनडीए 400 के पार जाएगा। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन इस बात में अटूट विश्वास व्यक्त करता है कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार 3.0 देश में विकास के गति को और तेज करते हुए सफलता के नए रिकॉर्ड बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने सर्वोच्च नेता और देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विश्वास दिलाता है कि पार्टी का पूरा संगठन, एक-एक कार्यकर्ता समर्पित भाव से उनके बताये रास्ते पर चलने के लिए कटिबद्ध है ताकि 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार हो सके। ■

वंदे मातरम्! भारत माता की जय!!

प्रस्ताव-2

भाजपा– देश की आशा, विपक्ष की हताशा

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदीजी के सुदृढ़ नेतृत्व में एकजुट हों

'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन 18 फरवरी, 2024 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'भाजपा—देश की आशा, विपक्ष की हताशा' प्रस्ताव प्रस्तुत किया, इसका अनुमोदन केंद्रीय जनजातीय कार्य, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस दुष्प्रचार एवं झूठ की राजनीति का सहारा ले रही है। इसे लगता है कि बार-बार आधारहीन आरोपों को दुहराकर यह सत्ता में वापसी कर सकती है। जब तक यह रचनात्मक राजनीति से दूर रह लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान करती रहेगी तथा देश को तोड़ने वालों का समर्थन करेगी, जनता भी इसे चुनावों में सबक सिखाती रहेगी। भाजपा की यह राष्ट्रीय अधिवेशन आह्वान करता है कि कांग्रेस एवं 'इंडी-गठबंधन' की स्वार्थ, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, नकारात्मक एवं हताशा की राजनीति को पराजित करें। हम प्रस्ताव का पूरा पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

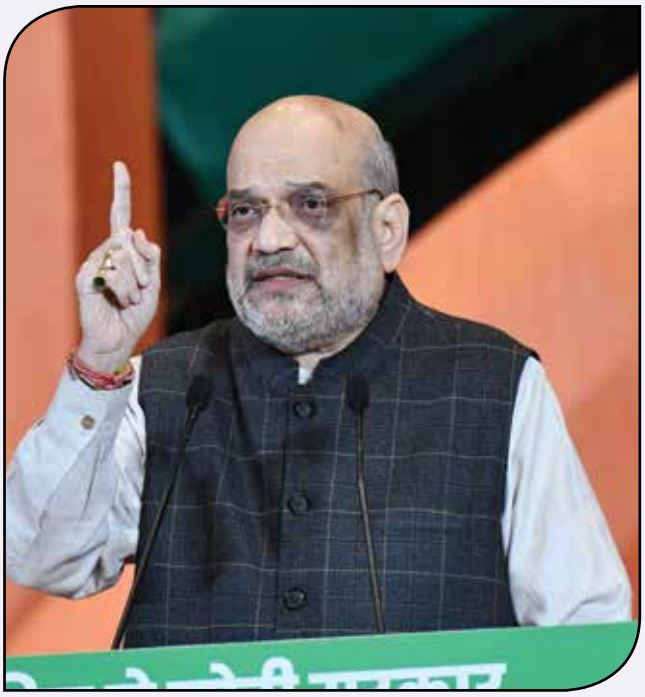

भारतीय राजनीति में विपक्ष नकारात्मकता, संकीर्णता एवं भ्रष्टाचार से घिरकर अपना उचित योगदान नहीं दे पा रहा। इस विपक्ष की धुरी में कांग्रेस और हाल ही में बना 'इंडी गठबंधन' है जो आपसी स्वार्थ, मतभेद और दिशाहीन नेतृत्व के कारण निरंतर बिखर रहा है। एक ओर जहां कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी अहंकार से ग्रसित है, वहीं दूसरी ओर खोखली नैतिकता प्रस्तुत करने वाली 'आम आदमी पार्टी' का पूरा राष्ट्रीय नेतृत्व आबकारी घोटाले में बंद है। विपक्ष की मानसिकता इसी बात से परिलक्षित होती है कि डीएमके के नेताओं द्वारा दिए जाने वाले अनर्गल बयान अकारण ही भारत की मूल भावना को ठेस पहुंचा रहा है। लोकतंत्र की बात करने वाले इंडी गठबंधन के प्रमुख दल तृणमूल कांग्रेस द्वारा शासन संरक्षित हिंसा ने बंगाल के महिला एवं अन्य नागरिकों के अधिकार छीन लिए हैं।

यह विचित्र विडंबना है कि दो बार लगातार चुनाव हारने के बाद देश में निरंतर गिरता जनाधार एवं सिकुड़ते प्रभाव क्षेत्र के बाद भी कांग्रेस पार्टी का अहं टूट नहीं रहा और इसके नेताओं का अहंकार चरम पर है। इसकी पराकाष्ठा तो इस सीमा तक है कि कांग्रेस के प्रमुख नेता विदेशों में भी जाकर भारत के गौरवशाली लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर प्रश्न चिह्न खड़े करते हैं और यहां तक कि विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित करने से भी नहीं चूकते। विगत दस वर्षों में जब-जब देश

में गौरव के क्षण आए, चाहे वह जीएसटी को लागू कर आर्थिक न्याय को मजबूत करने का रास्ता हो, भारत के सर्वोच्च पद पर जनजातीय समाज की महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के राष्ट्रपति निर्वाचित होने का विषय हो, अमृतकाल में नए संसद भवन का उद्घाटन हो, जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में देश को वैश्विक नेतृत्व करने का गौरवपूर्ण अवसर हो, भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं राजनीति में न्याय, नीति एवं मूल्यों का प्रतीक पवित्र 'सेंगोल' की संसद में स्थापना का विषय हो, कांग्रेसनीत विपक्ष ने हमेशा बहिष्कार किया है।

कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों की मानसिकता इस बात को दर्शाती है कि उनकी राजनीति नीति एवं सिद्धांत आधारित न होकर केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'फोबिया' से ग्रसित है। एक ओर इनके नकारात्मक सोच के कई प्रमाण है; वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाज में सभी वर्गों से संवाद स्थापित कर, उन्हें साथ लेकर देश में एक सकारात्मक वातावरण के निर्माण का प्रयास किया है। श्री रामलला की 'प्राण प्रतिष्ठा' में शामिल होने के लिए अपने व्यक्तिगत जीवन में यम-नियम का पालन करते हुए पूरे अनुष्ठान को उन्होंने एक सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

देश ने 2014 के भी उस दौर को देखा, जब कांग्रेसनीत यूपीए के शासनकाल में हर ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला था। आज भी जब झारखंड में 350 करोड़ रुपया नकद पकड़ा जाता है, तमिलनाडु में करोड़ों रुपए जब्त किए जाते हैं और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में 'महादेव' के भी नाम को भी न छोड़ते हुए 'महादेव एप' पर करोड़ों की ठगी की आती है, उसमें कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों के नेता संलिप्त पाए जाते हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि कांग्रेस की सत्ता-लोलुपता एवं भ्रष्टाचार की भूख अभी मिटी नहीं है।

देश ने 2014 के भी उस दौर को देखा, जब कांग्रेसनीत यूपीए के शासनकाल में हर ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला था। आज भी जब झारखंड में 350 करोड़ रुपया नकद पकड़ा जाता है, तमिलनाडु में करोड़ों रुपए जब्त किए जाते हैं और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में 'महादेव' के भी नाम को भी न छोड़ते हुए 'महादेव एप' पर करोड़ों की ठगी की आती है, उसमें कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों के नेता संलिप्त पाए जाते हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि कांग्रेस की सत्ता-लोलुपता एवं भ्रष्टाचार की भूख अभी मिटी नहीं है

यह दुर्भाग्यपूर्ण विषय है कि संसद चलाने में भी विपक्ष द्वारा बार-बार मर्यादा को तोड़ा गया; न केवल संसद के काम में अवरोध उपस्थित किया गया; बल्कि संवैधानिक पीठ पर बैठे हुए सर्वोच्च व्यक्तियों को निम्नस्तर पर उपहास कर निशाना बनाया गया। यह इस बात को दर्शाता है कि अब तक देष में स्वीकार्य विपक्ष की संसदीय मर्यादा की भूमिका को उन्होंने कलंकित करने का प्रयास किया। विपक्ष को इसका भी उत्तर देना चाहिए कि उनके द्वारा लगाए गए आरोप हर बार न्यायालय द्वारा अमान्य क्यों ठहराए गए। उन्होंने इस बात पर भी अफसोस नहीं जताया, जब ओबीसी समाज से आने वाले प्रधानमंत्री पर जातिगत विषयों को लेकर की गई टिप्पणी पर कोर्ट से सजा हुई। बार-बार केन्द्रीय एजेन्सी की दुहाई देने वाली कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि उनके नेताओं के घरों से जो भ्रष्टाचार के पैसे मिले उस पर उन्होंने पार्टी द्वारा उन पर क्या कार्रवाई की। सबसे बड़ी विडंबना की बात तो यह है कि यूपीए के काल में देश की जो अर्थव्यवस्था दुनिया के 'फाइव फ्रैजाइल इकोनॉमी' में आती थी आज वो दुनिया की सबसे बड़ी पांच अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हुई है, उसका भी उनको गम है। विपक्ष की नकारात्मक मानसिकता देश के लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत नहीं है।

कांग्रेस अस्थिरता की जननी

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात की गवाह है कि जवाहरलाल नेहरू के समय से ही धारा-356 का निरंतर दुरुपयोग किया गया तथा गैर कांग्रेसी सरकारों को अस्थिर किया गया। इसकी पराकाष्ठा तो तब हुई जब अपनी अलोकप्रियता को देखकर कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोप दिया। बाद में, लोकतंत्र का उपहास उड़ाते हुए अनेक सरकारें, चाहे चौधरी चरणसिंह की सरकार हो, या चंद्रशेखर की, इंद्रकुमार गुजराल या श्री एच.डी. देवगौड़ा की सरकार हो; कांग्रेस ने अपनी कुटिल राजनीति से इन सभी सरकारों को गिराया। हाल में आम आदमी पार्टी की सरकार को दिल्ली में समर्थन दिया फिर उसका विरोध किया, अब पुनः इंडी गठबंधन में साथ आए हैं। ममता बनर्जी को सबसे भ्रष्ट नेता कहने वाली कांग्रेस अब उन्हें इंडी गठबंधन का हिस्सा बनाए हुए है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से दोस्ती और दुश्मनी की आंख-मिचौली खेलती रही है। आज जो छोटे-छोटे दल कांग्रेस के गठबंधन में शामिल हुए हैं वो कोई लोकतंत्र में किसी प्रकार की आस्था के कारण नहीं, बल्कि अपने परिवार की जागीर को बचाने में लगी हुई पार्टियां हैं, लेफ्ट-लिबरल तथा टुकड़े-टुकड़े गैंग को चलाने वाले लोगों की पार्टियां हैं। यदि देखा जाए तो कांग्रेस देश में अस्थिरता की जननी है।

कलह, कटुता, कुटिलता और कुनीति का पर्याय इंडी गठबंधन

भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति में परिवारवाद का इसलिए विरोध किया है कि राजनैतिक दल पारिवारिक उत्तराधिकार और वसीयत के आधार पर नहीं चलनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस और उसके 'इन्डी-गठबंधन' के दल देश की राजनीति को परिवारवाद एवं उसके वसीयतनामें के आधार पर चलाना चाहते हैं जो लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। आज भारत के नागरिक इस बात को जानते हैं कि 10 साल के

भ्रष्टाचार के काले कारनामों से दागदार कांग्रेसनीत-यूपीए शासन जब अपनी साख खो चुका, तो कांग्रेस ने बड़ी चालाकी से इसे नया कलेवर 'इन्डी-गठबंधन' देने की कोशिश की, लेकिन विगत विधानसभाओं चुनावों ने कांग्रेस के इस भ्रम को भी समाप्त कर दिया। भारत की राजनीति में 'सत्ता-परिवर्तन' की बात करने वाला 'इंडी-गठबंधन' आज कलह, कटुता, कुटिलता और कुनीति का पर्याय बनकर रह गया। आने वाले 2024 के चुनाव में 'इंडी-गठबंधन' के क्षेत्रीय दल भी यह समझ चुके है कि इसका बोझ उन्हें ले डूबेगा। इसलिए पंजाब से लेकर बंगाल तक वो इससे छुटकारा पाने के चक्कर में लगे हुए है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि 2019 में देश को बांटने का षड्यंत्र करने वाली 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' आज कांग्रेस की सलाहकार मंडली में शामिल है।

इंडी-गठबंधन का विचित्र मेल

केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के लिए बना इंडी गठबंधन का कोई भी सैद्धांतिक-वैचारिक आधार नहीं है। इसमें शामिल विभिन्न दल एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं और कई प्रदेशों में एक दूसरे के राजनैतिक विरोधी हैं। केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं, पंजाब में आम आदमी पार्टी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ती है, तो वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। इनके बीच न तो वैचारिक समानता है, न सामंजस्यता और न ही कोई समान कार्यक्रम। इनका एक ही लक्ष्य है— प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को रोकना।

गरीब विरोधी कांग्रेस

कांग्रेस ने एक समय 'गरीबी हटाओ' का नारा तो दिया, परंतु इसका चरित्र हमेशा गरीब, दलित, पिछड़ा, किसान एवं मजदूर विरोधी रहा। यही कारण है कि एक गरीब 'चाय वाले' परिवार में जन्मे व्यक्ति का प्रधानमंत्री बनना कभी कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पाई। शुरू से ही गरीबों के नाम पर चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं में भारी लूट का प्रमाण स्वयं राजीव गांधी द्वारा दिया गया, जिन्होंने कहा था कि एक रुपए में से केवल 15 पैसे ही जनता तक पहुंचता है। इस भारी लूट एवं भ्रष्टाचार के कारण स्वतंत्रता के पश्चात भी देश का कई दशकों तक विकास नहीं हो सका। देश में गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी के कारण आम जनता त्राहि-त्राहि करते रहे जबकि कांग्रेस के नेता ऐशो-आराम की जिंदगी जीते रहे। कांग्रेस को न तो गरीबों की आवश्यकता का ज्ञान था, न ही वह देश की गरीबी दूर करने के प्रति कभी गंभीर रहे। आज अनेक अभिनव योजनाओं के माध्यम से देश के गरीब से गरीब को घर मिल रहा है, हेल्थ इंश्योरेंश मिला है, गैस चूल्हा सिलेंडर मिला है, शुद्ध पेयजल मिला है, बिजली मिली है, उनका बैंक खाता खुला है और निःशुल्क राशन भी दिया जा रहा है। यह पहली बार है कि मात्र एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संवेदनशील एवं गरीब समर्थक नेतृत्व में 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं और कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के बाद भी देश में extreme poverty की दर 1 प्रतिशत से भी कम रह गया है।

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल

श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी जीरो-टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचार को समूल नष्ट करने का अभियान जोर-शोर से जारी है। देश ने एक कांग्रेस सांसद के यहां से सैकड़ों करोड़ रुपये कैश की रिकवरी हुई, तो एक सीटिंग मुख्यमंत्री के दिल्ली आवास से भी कैश बरामद हुए। दिल्ली में शराब घोटाले का खुलासा हुआ तो छत्तीसगढ़ में भी 'महादेव-एप' घोटाले ने जनता को हिलाकर रख दिया। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में ये तो स्पष्ट हो गया कि जिन्होंने देश को लूटा है, उन्हें देश को उसका लूटा हुआ धन लौटाना ही पड़ेगा। भ्रष्टाचार के मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, भले ही वह कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो- ऐसी सोच देशवासियों में विकसित हुई है। देश को भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने के लिए यह राष्ट्रीय महाधिवेशन अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति

लंबे समय से बार-बार देश तोड़ने वाली गतिविधियों को प्रश्रय देने का कार्य कांग्रेस का नेतृत्व करता आ रहा है। बीते दिनों कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उप-मुख्यमंत्री के भाई और कांग्रेस से लोक सभा सांसद डी.के. सुरेश ने सरेआम दक्षिण भारत को अलग देश के रूप में मान्यता देने की विभाजनकारी मांग रखी। इस पर पूरा कांग्रेस नेतृत्व मौन साधे रहा।

सनातन संस्कृति के समर्थन में बातें करने पर जो कांग्रेस अपनी पार्टी से जुड़े एक हिंदू संत को निष्कासित कर देती है, वही कांग्रेस विभाजनकारी वक्तव्य देने वालों को संरक्षण देती है। साफ है कि कांग्रेस का हाथ विभाजनकारियों के साथ है।

देश-विदेश में हर प्रकार की विभाजनकारी शक्तियों से कांग्रेस नेताओं की वार्ता होती है। जो जॉर्ज पुनिया मां भारती का अपमान करते हुए लगातार बयान देता है, राहुल गांधी उसी से आशीर्वाद लेते हैं। कोयंबटूर बम कांड के अपराधियों को रिहा किया जाता है और 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' का नारा लगाने वाले लोग कांग्रेसी कार्यक्रमों के चेहरे बनाए जाते हैं।

भारत द्रोही गतिविधियों को प्रायोजित करने वाले जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से कांग्रेस की गलबहियां साफ दिखाई देती है। विदेशी धरती पर जाकर विदेशी शक्तियों से भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप की मांग की जाती है। पाकिस्तान से कांग्रेस नेता मोदी सरकार के खिलाफ मदद मांगते हैं और पाकिस्तान-परस्ती के गीत गाते हैं।

कांग्रेस के कई नेता पाकिस्तान में जाकर भारत विरोधी शक्तियों का आह्वान कर चुके हैं।

धारा 370 के निरस्तीकरण के समय लोक सभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पाकिस्तान से सहमति मांगने की बात रखते हैं।

बात यहीं नहीं रुकती है, पाकिस्तान धारा 370 के समर्थन में राहुल गांधी के बयान का उपयोग संयुक्त राष्ट्र संघ में दिए गए अपने डोजियर में करता है।

भारतीय संस्कृति पर आघात

अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर रामलला की 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का बहिष्कार करना विपक्ष की तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा है। कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, डीएमके समेत 'इंडी गठबंधन' के तमाम घटक दल श्रीराम मंदिर के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि यदि 2024 में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की वापसी होती है तो भारत में सनातन की सत्ता स्थापित हो जायेगी। उनके पुत्र और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे सनातन संस्कृति को कलंकित करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। कांग्रेस के गठबंधन साथी डीएमके जब सनातन की डेंगू, मलेरिया और एड्स से तुलना करते हैं तो कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदंबरम उसके समर्थन में बयान देते हैं।

'इंडी गठबंधन' के सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी के नेता लगातार सनातन के विरुद्ध जहर उगलते हैं। इस सूची में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया से लेकर राजेंद्र गौतम और गोपाल इटालिया तक उसके कई नेता हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करते हैं।

हर प्रगतिशील कदम का कांग्रेस द्वारा विरोध

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष में जितने भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए तथा विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कदम उठाए गए, उन सबका कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों ने विरोध किया। चाहे धारा-370 को निरस्त करने का विषय हो, तीन-तलाक पर कड़े कानून का विषय हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम हो, आतंकवाद विरोधी कड़े कानून हों, जम्मू-कश्मीर में वंचित, दलित, आदिवासी एवं पिछड़ों को अधिकार देने का विषय हो, कांग्रेस ने हर कदम का विरोध किया। और तो और इसने समय-समय पर सेना के पराक्रम एवं उपलब्धियों पर प्रश्नचिह्न खड़े करने का प्रयास करके हमारे देश के जवानों का मनोबल तोड़ने का भी निंदनीय प्रयास किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष में जितने भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए तथा विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कदम उठाए गए, उन सबका कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों ने विरोध किया। चाहे धारा-370 को निरस्त करने का विषय हो, तीन-तलाक पर कड़े कानून का विषय हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम हो, आतंकवाद विरोधी कड़े कानून हों, जम्मू-कश्मीर में वंचित, दलित, आदिवासी एवं पिछड़ों को अधिकार देने का विषय हो, कांग्रेस ने हर कदम का विरोध किया

कभी समर्थन, कभी विरोध की ढुलमुल राजनीति

विगत दस वर्षों में यदि हम देखेंगे तो हर मौके पर कांग्रेस पूर्व में जिन बातों का समर्थन करती थी, बाद में उनका विरोध करने लगी। जिस डिजिटल क्रांति के लिए वह अपनी पीठ थपथपाती थी, आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उसे जमीन पर उतारा गया तब कांग्रेस उसका विरोध करने लगी। 'गरीबी हटाओ' के झूठे नारे देने वाली कांग्रेस जब गरीबों के जन-धन बैंक खाते खुलने लगे, तब उसका विरोध करने लगी। यूपीआई हो या आधार इन सबका कांग्रेस ने विरोध किया। पूर्व में जिस जीएसटी की वह वकालत कर रही थी, जब वास्तविकता में लागू करने का समय आया तब उसका विरोध करने लगी। कांग्रेस शासनकाल में कई बार नए संसद भवन का प्रस्ताव आया, परंतु जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा नए संसद भवन का निर्माण एवं शुभारंभ किया गया, तब कांग्रेस ने इसका बहिष्कार किया। देखा जाए तो वास्तव में यह लोकतंत्र के मंदिर का अपमान था। पिछड़ा वर्ग के लिए घड़ियाली आंसू रोने वाली कांग्रेस अपने दस वर्षों के शासनकाल में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता नहीं दे पाई और पिछड़ा वर्ग आरक्षण का किस हद तक राजीव गांधी ने विरोध किया था, यह जगजाहिर है। जब पूरी दुनिया में कोविड महामारी फैली हुई थी और भारत अपने संकल्प और अनुशासन के बल पर इस महामारी से जूझ रहा था, तब न केवल कांग्रेस ने देश के मनोबल को तोड़ने का काम किया, बल्कि इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए उठाए जा रहे कदमों में अड़चन पैदा की। यहां तक कि इसने भारत में बनी 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन का भी विरोध किया। यदि देखा जाए तो कांग्रेस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक एवं परिवर्तनकारी हर कदम का विरोध करने पर आमादा है, चाहे इससे देश को क्षति ही क्यों न पहुंचे।

कांग्रेस द्वारा देश के संवैधानिक संस्थानों एवं वैज्ञानिकों का अपमान

देश की तमाम संवैधानिक संस्थानों का अपमान करना इंडी गठबंधन की पुरानी आदत है। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और निर्वाचन आयोग के बारे में उल-जुलूल बयानबाजी करने से आगे बढ़कर देश के वैज्ञानिकों को भी कोसने में इंडी-गठबंधन के नेताओं को कोई संकोच नहीं है। देश के सेना प्रमुख को पहले ही 'गुंडा' जैसे शब्दों से नवाजा जा चुका है। अब कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

चंद्रयान की सफलता में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों से भी पूछ रहे हैं कि चंद्र पर यान पहुंचने से क्या भूखों का पेट भरता है? कोविड काल में भी देश के वैक्सीन पर सवाल उठाकर भारतीय वैज्ञानिकों का अपमान तो किया है, साथ ही विदेशी कंपनियों के लिए लामबंदी करने का विफल प्रयास भी किया।

कांग्रेस की अपरिपक्व एवं गैर जिम्मेदार राजनीति

देश के संविधान, न्यायालय, संसद, चुनाव आयोग, ईवीएम और अन्य सम्मानित लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमले कर कांग्रेस लगातार अपनी दुरवस्था के लिए आत्मचिंतन से बचती रही है। जब भी कोई न्यायालय इसके विरुद्ध निर्णय देता है, ये न्यायालय को कोसते हैं और जब चुनाव हारते हैं तब चुनाव आयोग, फिर ईवीएम और यहां तक कि मतदाताओं तक को गाली देते हैं। परिणाम यह है कि राहुल गांधी विदेश में जाकर यहां तक कह रहे हैं कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है तथा दूसरे देशों से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अपील कर रहे हैं। जहां एक ओर वे भारत, जो 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में जाना जाता है, का अपमान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई चेतावनी के बाद भी वे उन्हीं गलतियों को दुहरा रहे हैं जिसके लिए उन्हें दंडित किया गया है। देश को अब भी याद है कि किस प्रकार से 'चौकीदार चोर है' जैसे बयानों के लिए उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में माफी मांगनी पड़ी थी। आज, जब कांग्रेस अपनी गलतियों से सीख लेने में असमर्थ है यह झूठ, प्रोपगेंडा एवं फरेब की राजनीति कर रही है। इस प्रकार की अपरिपक्व एवं गैर जिम्मेदार राजनीति से कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल अपनी जग-हंसाई कर रहे हैं।

इंडी गठबंधन द्वारा हिंसा एवं अराजकता की राजनीति

इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस एवं इसके अधिकांश सहयोगी देश में अराजकता एवं हिंसा की राजनीति में संलिप्त रहे हैं। अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल के संदेशखली में घटित दिल दहलाने वाली भयावह घटनाएं सामने आई हैं। तृणमूल कांग्रेस द्वारा पश्चिम बंगाल में लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर जनता की आवाज को हिंसा से दबाने का प्रयास किया जाता रहा है। इसी प्रकार केरल में सीपीआई-सीपीएम एवं इनके सहयोगी दलों द्वारा भाजपा के कार्यकर्ताओं की हत्या एवं हिंसा की अनेक घटनाएं हुई हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल द्वारा जिस प्रकार का जंगलराज कायम किया गया था वह आज तक देश को याद है। जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें थी वहां पर दलित, आदिवासी, महिला, किसान एवं आमजन को कई प्रकार के उत्पीड़न एवं प्रताड़ना सहनी पड़ी है। देश में जहां भी 'आंदोलनों के नाम पर विभाजनकारी तत्वों द्वारा अराजकता के वातावरण के निर्माण के प्रयास होते हैं, कांग्रेस और इसके सहयोगी दल वहां आग में घी डालने सबसे पहले पहुंच जाते हैं। भाजपा का यह महाधिवेशन कांग्रेस एवं सहयोगी दलों के द्वारा की जा रही हिंसा एवं अराजकता की राजनीति के विरुद्ध देशभर में संघर्ष कर अपने प्राणों तक को न्योछावर करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता है। इस प्रकार की नकारात्मक राजनीति के विरुद्ध हम अपना संघर्ष जारी रखने का संकल्प लेते हैं।

कांग्रेस का पतन सुनिश्चित

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की 'प्राण प्रतिष्ठा' अनुष्ठान के राष्ट्रीय महत्व को नहीं समझ पाए। जहां पूरा देश इस पावन अवसर को एक त्योहार की भांति एकजुट होकर भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धावनत हो उत्सव मना रहा था, कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल अपने सिद्धांतहीन राजनीति के कारण दूर रहे। कांग्रेस, जिसके आंखों पर वोट-बैंक की काली पट्टी बंधी हुई है, कभी भी किसी राष्ट्रीय विषय पर जनता के साथ खड़ी नहीं दिखती। इतना ही नहीं, किसी भी राष्ट्रीय महत्व का विषय, जिससे देश का गौरव एवं मान-सम्मान बढ़ता हो, उन पर कांग्रेस केवल बाधा उत्पन्न करने का शर्मनाक कार्य करती है। इसने न केवल श्रीराम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, उसके रास्ते में रोड़े अटकाए, बल्कि इतना गिरे कि भगवान राम के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। आज भी कांग्रेस में शायद इस बात का अफसोस है कि वह 'रामसेतु' को नहीं तोड़ पाई और अब अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रही है। अब जबकि लोग कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों की अवसरवादी वोट-बैंक राजनीति को देख रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं कि वे कभी इन्हें क्षमा नहीं करेंगे।

कांग्रेस का निरंतर पतन अब एक ऐसे दौर में इसे ले गया है जहां से इसका लौटना असंभव है। स्वतंत्रता के पश्चात् जिस प्रकार से इसका वैचारिक क्षरण शुरू हुआ, उसका परिणाम इसके संगठनात्मक बिखराब में हुआ। फलतः सत्ता-केंद्रित एवं सिद्धांतहीन राजनीति कांग्रेस के पतन का कारण बनी। आज यह राजनीति में हर प्रकार के दुर्गुण एवं बुराई की प्रतीक बनकर रह गई है। यह केवल वंशवादी राजनीति की अगुआ नहीं है, बल्कि वोट बैंक की राजनीति के कारण समाज को बांटने वाली जाति, क्षेत्र, संप्रदाय, भाषा और अन्य विखंडनकारी राजनीति की पर्याय बन गई है। आज जब जनता ने इसे सत्ता से बेदखल कर दिया है और हर चुनाव में सबक सीखा रही है, कांग्रेस दुष्प्रचार एवं झूठ की राजनीति का सहारा ले रही है। इसे लगता है कि बार-बार आधारहीन आरोपों को दुहराकर यह सत्ता में वापसी कर सकती है। जब तक यह रचनात्मक राजनीति से दूर रह लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान करती रहेगी तथा देश को तोड़ने वालों का समर्थन करेगी, जनता भी इसे चुनावों में सबक सिखाती रहेगी।

भाजपा का यह राष्ट्रीय अधिवेशन आह्वान करता है कि कांग्रेस एवं 'इंडी-गठबंधन' की स्वार्थ, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, नकारात्मक एवं हताशा राजनीति को पराजित करें एवं 'विकसित-भारत' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ नेतृत्व में एकजुट हों। ■

वंदे मातरम्! भारत माता की जय!!

राम मंदिर पर वक्तव्य

अगले एक हजार वर्षों के लिए 'रामराज्य' की स्थापना का उद्घोष

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन 18 फरवरी, 2024 को 'राम मंदिर पर वक्तव्य' प्रस्तुत किया।

श्री नड्डा ने कहा कि यह अधिवेशन विरासत और विकास की साझा ताकत को अपने दृढ़ संकल्पित प्रयासों के माध्यम से इसे नए भारत की पहचान बनाने वाले माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनन्दन करता है और सम्पूर्ण भारत को राममय बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता है। अयोध्या में जन-जन की भावनाओं का प्रतीक बने प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर से जुड़े इस वक्तव्य को अंगीकार करते हुए हम सभी बहुत गौरवान्वित हैं। हम यहां श्री नड्डा द्वारा प्रस्तुत 'राम मंदिर पर वक्तव्य' का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

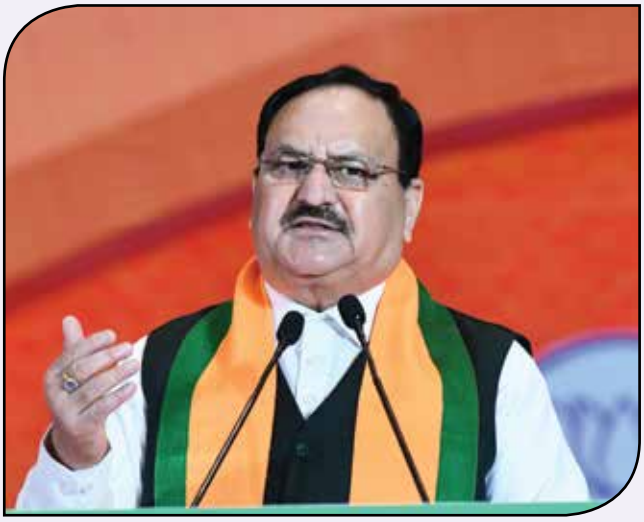

जय सियाराम...

प्राचीन पावन नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पर उनके भव्य-दिव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली उपलब्धि है। यह नए 'कालचक्र' के उद्भव के साथ भारत के लिए अगले एक हजार वर्षों के लिए 'रामराज्य' की स्थापना का उद्घोष है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में प्रभु श्रीरामलला की अलौकिक प्राण-प्रतिष्ठा के सफलतम आयोजन हेतु भारतीय जनता पार्टी का यह अधिवेशन माननीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक अभिनंदन करता है।

श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह राष्ट्र उत्सव के रूप में मनाया गया, जो कि एक नए युग की शुरुआत बनकर उभरा है। राम मंदिर भारत की दृष्टि का, भारत के दर्शन का, भारत के दिग्दर्शन का मंदिर बन गया है। श्रीराम मंदिर सही अर्थों में राष्ट्र चेतना का मंदिर बन गया है। भक्ति के रंग में रंगा चुके गांव और हर ओर फैल चुकी 'जय जय श्रीराम' की मधुर ध्वनि के बीच प्रभु श्रीराम की दिव्य प्राण-प्रतिष्ठा को देखकर हर भारतीय आह्लादित है। इस संस्कृति-प्रधान देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस ऐतिहासिक क्षण को भव्यता प्रदान की और उत्सव का एक विराट वातावरण निर्मित कर दिया।

भारतीय जनता पार्टी का यह संकल्प था कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। प्रभु श्रीराम की कृपा से इस ऐतिहासिक मंदिर के भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा, दोनों पवित्र कार्य का सौभाग्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्राप्त हुआ।

9 नवंबर, 2019 को सुप्रीम-कोर्ट के निर्णय के उपरांत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बिना देर किए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र का गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम मंदिर निर्माण का कार्य त्वरित गति से चला और महज चार साल के अंदर श्रीराम रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी, 2024 को संपन्न हुई।

22 जनवरी का दिन करोड़ों रामभक्तों की आकांक्षा व सिद्धि, भारत की आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण और महान भारत की यात्रा की शुरुआत का दिन है। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से 22 जनवरी का दिन सभी भारतीयों और दुनिया भर में फैले रामभक्तों के लिए एक पवित्र अवसर बन गया। जिस कल्पना को अनेक पीढ़ियों ने सैकड़ों वर्षों तक एक संकल्प की तरह अपने हृदय में संजोये रखा, उस

संकल्प की सिद्धि ऐसे समय में हुई है जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र विकसित भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति करने की दिशा में अग्रसर है। अयोध्या का भव्य-दिव्य राम मंदिर हर भारतीय की चेतना में अंकित हुआ है और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि का प्रतिबिम्ब बन गया है।

गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर खड़े हो रहे राष्ट्र, अतीत के हर अंश से प्रेरणा लेते हुए ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने में हमारी सरकार ने अभूतपूर्व तथा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। बीते दस वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपनी अगुआई में भारत की आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का कार्य किया। धर्म के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के जरिए उन्होंने कई ऐसे कार्यक्रम शुरू किए, जो भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा रहे हैं।

गौरतलब है कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति के कण-कण में प्रभु श्री राम, माता सीता और रामायण रचे-बसे हैं। हमारे लोकतांत्रिक मूल्य और सभी के लिए न्याय को समर्पित हमारा संविधान, रामराज्य के आदर्शों से प्रेरित रहा है। भारत के संविधान की मूल प्रति में भी मौलिक अधिकारों के खंड पर भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी का विजय के पश्चात् अयोध्या लौटने के बाद का जो चित्र बना हुआ है, वह इस बात का प्रमाण है कि मौलिक अधिकारों के प्रेरणास्रोत भगवान श्रीराम हैं। रामराज्य का आदर्श पूज्य बापू के भी हृदय में बसा था। महात्मा गांधी कहते थे कि रामराज्य का विचार ही सच्चे लोकतंत्र का विचार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन को स्थापित कर रामराज्य की भावना को सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया है। 'विकसित भारत' के निर्माण में जिन संकल्पों को हमने आत्मसात् किया है उसकी पूर्ति में प्रभु श्रीराम का मंदिर एक निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगा।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने भगवान श्रीराम से जुड़े इस पावन अवसर पर पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने में अतुलनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने श्री रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के लिए पूरे समर्पित भाव से कठिन यम-नियमों का पालन किया। इस दौरान वे नासिक से लेपाक्षी और त्रिप्रयार से लेकर रामेश्वरम तक प्रभु श्रीराम से जुड़े महत्वपूर्ण तीर्थ स्थानों पर भी गए और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस यात्रा से एक अद्भुत, आध्यात्मिक चेतना की जागृति समग्र जनमानस में हुई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस अनुष्ठान में शामिल होने एवं इसकी गरिमा व पवित्रता का विशेष ध्यान रखा। इस ऐतिहासिक, अभूतपूर्व संकल्प की सिद्धि में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों और उनकी तपस्या के लिए भी यह महाधिवेशन प्रधानमंत्री जी का साधुवाद करता है।

आज देश हर्षित है, राममय है, राम की ऊर्जा, राम का तेज देश के मन मंदिर में विराजित हो गया है। राम मंदिर के लिए चले आंदोलन में अर्पण, तर्पण, संघर्ष, बलिदान तथा संकल्प और सिद्धि का समावेश था। अतएव यह महाधिशेन पूरी एकता, श्रद्धा और भक्तिभाव से इस अवसर पर देशवासियों के उल्लास और उमंग में शामिल हैं, साथ ही इस वक्तव्य के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनन्दन करता है और सराहना करता है। देश की विकास यात्रा में यह एक अविस्मरणीय क्षण है, जो भारत के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर खड़े हो रहे राष्ट्र, अतीत के हर अंश से प्रेरणा लेते हुए ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने में हमारी सरकार ने अभूतपूर्व तथा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। बीते दस वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपनी अगुआई में भारत की आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का कार्य किया

निःसंदेह श्रीराम मंदिर के निर्माण का अनुष्ठान इसलिए भी संपन्न हो सका, क्योंकि इस अनुष्ठान के कारक प्रधानमंत्री जी पर श्रीराम की कृपा है। आजादी के अमृतकाल में दृढ़ संकल्प शक्ति से परिपूर्ण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। भगवान श्रीराम ने अपने वचन में, अपने विचारों में जिन मूल्यों को गढ़ा, वही 'सबका साथ-सबका विकास' की प्रेरणा और 'सबका विश्वास-सबका प्रयास' का आधार है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की एकता और एकजुटता को जनभागीदारी की शक्ति मिली है। उन्होंने अपनी नीतियों और नेतृत्व से राष्ट्र का मनोबल ऊंचा किया है। इस हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अभिनन्दन के पात्र हैं।

बीते दस वर्षों में भारतीय सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक गौरव पुनर्स्थापित हुआ है। यह अधिवेशन विरासत और विकास की साझा ताकत को अपने दृढ़ संकल्पित प्रयासों के माध्यम से इसे नए भारत की पहचान बनाने वाले माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनन्दन करता है और सम्पूर्ण भारत को राममय बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता है। अयोध्या में जन-जन की भावनाओं का प्रतीक बने प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर से जुड़े इस वक्तव्य का अंगीकार करते हुए हम सभी बहुत गौरवान्वित हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सर्वस्पर्शी तथा समावेशी विकास के लक्ष्य को रामराज्य की भावना से पूर्ण कर रहा है।

जय जय सियाराम...

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का समापन-सत्र में उद्बोधन

भाजपा कार्यकर्ता 'श्वेत पत्र' को पंचायत एवं बूथ स्तर तक जनता के बीच ले जाएं

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन 18 फरवरी, 2024 को समापन सत्र में उद्बोधन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए संगठन सर्वोच्च प्राथमिकता है। याद होगा कि यूपीए के प्रधानमंत्री से लेकर अन्य विपक्षी दलों से बने प्रधानमंत्री अपनी पार्टी के राजनीतिक अधिवेशन में कुछ समय के लिए शामिल होते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान सेवक के रूप में सफलतापूर्वक देश में जनकल्याण एवं विकास के काम करते हुए पार्टी का कुशल मार्गदर्शन भी किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान शुरू से अंत तक बैठे रहे और हम सभी का मार्गदर्शन भी किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसा नेतृत्व हम लोगों को मिला है, जो संगठन को लगातार दिशा एवं दृष्टि देते रहे हैं।

हम यहां श्री नड्डा द्वारा समापन-सत्र में प्रस्तुत उद्बोधन के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं:

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 फरवरी, 2024 को दिल्ली के 'भारत मंडपम' में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र में अधिवेशन का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए कहा कि भाजपा के सभी लोग, आप और हम भी, अधिवेशन में पारित प्रस्ताव को गहराई से पढ़कर जनता के बीच ले जाएं। ये प्रस्ताव आने वाले चुनाव में एक मंत्र के रूप में काम करेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में अनेक दृष्टि से योजनाओं से लेकर भारतीय जनता पार्टी की राजनैतिक दृष्टि तक, पार्टी समाज के हर वर्ग के लिए पार्टी के काम आदि के बारे में विस्तृत चर्चा हुई है। हर छोटी-बड़ी बात की बारीकियों के बारे में इतने बड़े अधिवेशन में वृहत रूप से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव की योजनाएं और चुनाव की दृष्टि से होने वाले कार्यों के बारे में चर्चा की गयी। इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हुए। जिसमें सभी प्रदेश भाजपा के अध्यक्षों, संगठन मंत्रियों, 543 लोकसभा क्षेत्र की दृष्टि से बने हुए 160 कलस्टर के नेतृत्वकर्ताओं के साथ विस्तृत रूप से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हम लोगों को पहले जो सुझाव दिए थे, उस सुझाव को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मेहनत से जमीनी

स्तर पर उतारने के बारे में भी पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा हुई। भारतीय जनता पार्टी एकमात्र पार्टी है जहां गंभीर राजनीतिक चर्चाएं, इतने बड़े अधिवेशन में, पूरी ताकत के साथ सभी को समावेश कर किया जाता है।

श्री नड्डा ने कहा कि मैंने अधिवेशन के शुभारम्भ भाषण में कहा था कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए संगठन सर्वोच्च प्राथमिकता है। याद होगा कि यूपीए के प्रधानमंत्री से लेकर अन्य विपक्षी दलों से बने प्रधानमंत्री अपनी पार्टी के राजनीतिक अधिवेशन में कुछ समय के लिए शामिल होते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान सेवक के रूप में सफलतापूर्वक देश में जनकल्याण एवं विकास के काम करते हुए पार्टी का कुशल मार्गदर्शन भी किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान शुरू से अंत तक बैठे रहे और हम सभी का मार्गदर्शन भी किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसा नेतृत्व हम लोगों को मिला है, जो संगठन को लगातार दिशा एवं दृष्टि देते रहे हैं।

श्री नड्डा ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह जी ने आज सुबह अधिवेशन में 'देश की आशा और विपक्ष की निराशा' को दूसरे प्रस्ताव के रूप में रखा है। मैं चाहूंगा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता इस प्रस्ताव को गहराई से पढ़ें। साथ ही, केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह जी द्वारा प्रस्ताव पेश करते हुए जो वक्तव्य दिए गए, उसे भी जनता के बीच ले जाएं। श्री अमित शाह जी ने अपने वक्तव्य में पिछले दस सालों के दौरान विपक्ष के नकारेपन के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की है। नकारेपन शब्द कहना अच्छा नहीं है, लेकिन इससे ऊपर का शब्द मिलता नहीं है।

श्री अमित शाह जी के वक्तव्य को जनता के बीच पहुंचाने का आग्रह करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह का वक्तव्य भी हम सभी के लिए टॉकिंग प्वाइंट्स है। उनके संबोधन के अंश से टॉकिंग प्वाइंट्स निकालकर राजनीतिक चर्चा में जिक्र करें, राजनीतिक चर्चा में जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताते हैं, वहीं विपक्ष के नकारेपन को भी सबके सामने उजागर करें। साथ ही, विपक्ष के अकर्मण्य नेताओं की सच्चाई को भी सबके सामने लाने की जरूरत है। विपक्ष ने पिछले दस सालों में विपक्ष की भूमिका भी सही ढंग से नहीं निभाई है, उसे भी लोगों के सामने पूरी स्पष्टता के साथ रखना है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को अधिवेशन में रखे गए प्रस्ताव का उपयोग करते हुए आगे बढ़ना है। श्रीराम जन्मभूमि पर आए प्रस्ताव को भी भाजपा कार्यकर्ता समय समय पर उपयोग कर सकते हैं।

अधिवेशन के पहले दिन लाए गए राजनैतिक प्रस्ताव के बारे में बताते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अधिवेशन के पहले दिन 'विकसित भारत, मोदी की गारंटी' का राजनैतिक प्रस्ताव रखा। उस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों एवं योजनाओं की उपलब्धियां को रखा गया।

वहीं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अधिवेशन में आर्थिक दृष्टि से भारत कैसे सबल एवं मजबूत और दुनिया में मजबूत अर्थनीति के साथ खड़ा हुआ है, इस बारे में उन्होंने विस्तृत जानकारियां दी। भाजपा कार्यकर्ताओं से निवेदन करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित हुए प्रस्ताव को गहराई से पढ़कर अपने प्रदेश एवं अपने अपने बूथ पर जरूर चर्चा करें। प्रस्ताव को बुलेट प्वाइंट्स बनाकर लोगों के बीचे रखने का प्रयास करें, जो छोटे-छोटे प्वाइंट्स में हों और जिसे सभी लोग सरलता से समझ सकें, ताकि लोग समझ सकें कि कैसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों एवं योजनाओं से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण का एक-एक वाक्य सरकार की उपलब्धियों को बताता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण को अच्छे ढंग से पढ़कर भाजपा कार्यकर्ता उसका भी उपयोग करते हुए हर पंचायत और हर बूथ पर परिचर्चा करें। साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लोकसभा एवं राज्यसभा में दिए गए उद्बोधन को भी पढ़कर परिचर्चा करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सदन को बताया है कि कैसे विपक्ष ने निचले स्तर पर पहुंचकर देश के साथ अन्याय किया है। इन सभी तथ्यों को डाक्यूमेंट के रूप में आप सबको मिलेगा

भाजपा कार्यकर्ताओं को सुझाव देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण का एक-एक वाक्य सरकार की उपलब्धियों को बताता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण को अच्छे ढंग से पढ़कर भाजपा कार्यकर्ता उसका भी उपयोग करते हुए हर पंचायत और हर बूथ पर परिचर्चा करें। साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लोकसभा एवं राज्यसभा में दिए गए उद्बोधन को भी पढ़कर परिचर्चा करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सदन को बताया है कि कैसे विपक्ष ने निचले स्तर पर पहुंचकर देश के साथ अन्याय किया है। इन सभी तथ्यों को डाक्यूमेंट के रूप में आप सबको मिलेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि यूपीए सरकार के दस वर्षों के दौरान आर्थिक दृष्टि से घपले, भ्रष्टाचार और कुशासन हुए, उसका विस्तृत ब्योरा श्वेत पत्र के रूप में जारी किया गया है। श्वेत पत्र में इसका बिंदुवार और विस्तृत ब्योरा भी दिया गया है। भाजपा कार्यकर्ता इस श्वेत पत्र को पंचायत एवं बूथ स्तर तक जनता के बीच सही ढंग से ले जाएं। ■

प्रधानमंत्रीजी का समापन उद्बोधन

कार्यकर्ताओं से 'अब की बार...400 पार...' के नए संकल्प के साथ अपने क्षेत्रों में जाने का आग्रह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन 18 फरवरी, 2024 को समापन उद्बोधन देते हुए कहा कि आज जब मैं बीते 10 वर्षों पर नजर डालता हूं, तो कितना ही कुछ याद आता है। ये 10 वर्ष साहसिक फैसलों, दूरगामी निर्णयों के नाम रहे। जो काम सदियों से लटके थे... हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहब राहदारी खोली। 7 दशक के इंतज़ार के बाद देश को आर्टिकल-370 से मुक्ति मिली। 4 दशक बाद आखिरकार, 'वन रैंक-वन पेंशन' की मांग पूरी हुई। 3 दशक बाद आखिरकार, देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली। 3 दशक बाद आखिरकार, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला। तीन तलाक की बुराई के विरुद्ध कड़ा कानून बनाने का साहस भी हमने ही दिखाया। हम यहां श्री मोदी द्वारा प्रस्तुत समापन उद्बोधन के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं:

राष्ट्रीय अधिवेशन में यहां उपस्थित और देश के कोने-कोने से जुड़े प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का मैं अभिनंदन करता हूं। भाजपा का कार्यकर्ता, साल के हर दिन, चौबीसों घंटे देश की सेवा के लिए कुछ न कुछ करता ही रहता है, लेकिन अब अगले 100 दिन, नई ऊर्जा, नया उमंग, नया उत्साह नया विश्वास, नए जोश के साथ काम करने का है। आज 18 फरवरी है, इस कालखंड में जो युवा 18 वर्ष के पड़ाव पर पहुंचे हैं वो देश की 18वीं लोकसभा का चुनाव करने वाले हैं। अगले 100 दिन हम सबको जुट जाना है, हर नए वोटर तक पहुंचना है, हर लाभार्थी तक पहुंचना है, हर वर्ग, हर समाज, हर पंथ परंपरा सब लोगों के पास पहुंचना है, हमें सबका विश्वास हासिल करना है और जब सबका प्रयास होगा तो देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी भाजपा को ही मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो गति हासिल की है, बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने का जो हौसला पाया है, वो अभूतपूर्व है। इसलिए नहीं कि मैं कह रहा हूं, दुनिया गाजे-बाजे के साथ बोल रही है। भारत ने आज हर क्षेत्र में जो ऊंचाई हासिल की है, उसने हर देशवासी को एक बड़े संकल्प से जोड़ दिया है, और ये संकल्प है—विकसित भारत का। अब देश न छोटे सपने देख सकता है और देश न अब छोटे संकल्प ले सकता है। सपने भी विराट होंगे, संकल्प भी विराट होंगे और ये हमारा सपना भी है, हम सबका संकल्प भी है कि हमें भारत को विकसित बनाना है। इसमें अगले 5 वर्षों की बहुत बड़ी भूमिका होने जा रही है। अगले 5 साल में भारत को पहले से भी कई गुना तेजी से काम करना है। अगले 5 साल में हमें विकसित भारत की तरफ एक लंबी छलांग लगानी है, लेकिन सारे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए, पहली शर्त है—सरकार में भाजपा की जोरदार वापसी। आज विपक्ष के नेता भी एनडीए सरकार 400 पार के नारे लगा रहे हैं और एडीए को 400 पार कराने के लिए भाजपा को 370 का माइलस्टोन पार करना ही होगा।

विकसित भारत का निर्माण

श्री मोदी ने कहा कि आज भाजपा, युवा-शक्ति, नारी-शक्ति, गरीब और किसान-शक्ति को 'विकसित भारत' के निर्माण की शक्ति बना रही है। पहले लोगों को लगता था कि सरकारें बदलती हैं, व्यवस्था नहीं बदलती। हमने सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय की भावना से हर व्यवस्था को पुरानी सोच, पुरानी अप्रोच से बाहर निकाला। जिनको किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा है, इतना ही नहीं हमने उनको पूजा है। आदिवासियों में भी सबसे पिछड़ी जनजातियों को पहले किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए 'पीएम जनमन' योजना बनाई। लाखों विश्वकर्मा परिवारों को किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई। रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर काम करने वाले लाखों साथियों के बारे में किसी ने नहीं सोचा। हमने उनके लिए पीएम स्वनिधि योजना बनाई।

नारी सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि

श्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने महिलाओं के हितों की, उनके जीवन में आ रही परेशानियों की भी कभी चिंता नहीं की। हमारे यहां बेटियों को गर्भ में ही मार डालने की कितनी विराट समस्या थी। हमने इसके लिए हमने सामाजिक चेतना और कड़े कानून, दोनों का सहारा लिया। पहली बार देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसा एक जनआंदोलन चला, जिसका एक बहुत ही सार्थक प्रभाव हुआ। हमने बालिकाओं के, महिलाओं के पोषण पर विशेष बल दिया। हमने पोषण अभियान चलाया ताकि गर्भवती महिलाओं को उचित मदद मिल सके। स्वस्थ महिला ही स्वस्थ संतान को जन्म दे सकती है। गर्भ के समय महिलाओं को उचित पोषण मिले, इसके लिए मातृवंदना योजना के तहत सवा 3 करोड़ से अधिक बहनों को सीधी मदद दी। हमने सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगभग 5 करोड़ गर्भवती महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया। प्रयास यही था कि माता और शिशु, दोनों के जीवन पर पहले जो खतरे रहते थे, उन्हें कम किया जा सके। 2014 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर कितनी चिंताएं होती थीं। हर कोई चिंतित रहता था। हमने रेप जैसे संगीन अपराधों में फांसी की सज़ा सुनिश्चित की। ऐसे मामलों का तेज़ी से निपटारा हो इसके लिए भी विशेष व्यवस्थाएं बनाईं।

पहली बार देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसा एक जनआंदोलन चला, जिसका एक बहुत ही सार्थक प्रभाव हुआ। हमने बालिकाओं के, महिलाओं के पोषण पर विशेष बल दिया। हमने पोषण अभियान चलाया ताकि गर्भवती महिलाओं को उचित मदद मिल सके। स्वस्थ महिला ही स्वस्थ संतान को जन्म दे सकती है। गर्भ के समय महिलाओं को उचित पोषण मिले, इसके लिए मातृवंदना योजना के तहत सवा 3 करोड़ से अधिक बहनों को सीधी मदद दी। हमने सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगभग 5 करोड़ गर्भवती महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया

उन्होंने कहा कि मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने शौचालय जैसे विषय को लाल किले से उठाया। मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने महिलाओं के खिलाफ अपशब्दों पर लाल किले से नाराजगी व्यक्त की थी। 'नारी गरिमा, नारी सम्मान' हमारे लिए सर्वोपरि है। मुझे गर्व है कि बीते 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने महिलाओं का जीवन आसान बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। हमने 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया। हमने 4 करोड़ घर बनाए, जिनमें से 3 करोड़ से ज्यादा घर महिलाओं के नाम रजिस्टर में है। हमने महिलाओं के नाम 3 करोड़ ज्यादा घर रजिस्टर करवाकर उनको घर का मालकिन बनवाया। हमने 10 करोड़ परिवारों की बहनों को पहली बार नल से जल दिया। हमने 12 करोड़ परिवारों की बहनों को टॉयलेट दिया। ये चारदीवारी नहीं 'इज्जत घर' है। हमने 1 रुपया में सुविधा सेनिटेरी पैड्स की योजना शुरु की। हमने 25 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक अकाउंट खोले। हमने 30 करोड़ से अधिक मुद्रा लोन, महिला लाभार्थियों को दिए।

उन्होंने कहा कि बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए, बेटियों को नौकरी करने में आसानी हो, इसके लिए भी हमने अनेक कदम उठाए हैं। हमने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से 10 करोड़ बहनों को जोड़ा। हमने 1 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया। खादी को जो फिर से नया जीवन मिला है, उसका फायदा भी सबसे अधिक गांव की बहनों को ही हुआ है। हमने प्रेग्नेंसी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते किया। पहले फैक्ट्रियों में या दूसरी जगहों पर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने के लिए अनेक अड़चनें थीं। हमने श्रम कानूनों में सुधार करके, इनको भी दूर किया। हमने पैरामिलिट्री फोर्स में महिलाओं की भर्ती दोगुने से अधिक की। हमने सेनाओं के अग्रणी मोर्चों में महिलाओं की तैनाती को सुनिश्चित किया। हमने सैनिक स्कूलों और मिलिट्री अकेडेमी के दरवाज़े बेटियों के लिए खोल दिए।

उन्होंने कहा कि इस बार 26 जनवरी को कर्तव्य पथ नारी शक्ति से पूरे देश को प्रेरणा दे रहा था। आने वाले समय में हमारी माताओं-बहनों-बेटियों के लिए अवसर ही अवसर आने वाले हैं। 'मिशन शक्ति' से देश में नारीशक्ति की सुरक्षा और सशक्तीकरण का संपूर्ण इकोसिस्टम बनेगा। अब 15 हजार महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को ड्रोन मिलेंगे। ड्रोन दीदी खेती में वैज्ञानिकता और आधुनिकता लाएगी। अब देश में 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनाई जाएंगी। पीएम विश्वकर्मा योजना से परंपरागत कला और शिल्प से जुड़ी बहनें सशक्त होंगी। नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से बेटियों को शिक्षा और स्किल के मामले में सबसे अधिक फायदा होगा। गांव के पास ही बेहतर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनने

से बेटियां स्पोर्ट्स में कमाल करेंगी।

साहसिक फैसलें

श्री मोदी ने कहा कि आज जब मैं बीते 10 वर्षों पर नजर डालता हूं, तो कितना ही कुछ याद आता है। ये 10 वर्ष साहसिक फैसलों, दूरगामी निर्णयों के नाम रहे। जो काम सदियों से लटके थे... हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में भी 500 साल बाद धर्मध्वजा फहराई गई है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहब राहदारी खोली। 7 दशक के इंतज़ार के बाद देश को आर्टिकल-370 से मुक्ति मिली। लगभग 6 दशक बाद राजपथ, कर्तव्य पथ के नए स्वरूप में सामने आया। 4 दशक बाद आखिरकार, 'वन रैंक-वन पेंशन' की मांग पूरी हुई। 3 दशक बाद आखिरकार, देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली। 3 दशक बाद आखिरकार, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला। तीन तलाक की बुराई के विरुद्ध कड़ा कानून बनाने का साहस भी हमने ही दिखाया। दशकों से नए संसद भवन की ज़रूरत महसूस हो रही थी, उसे हमने ही पूरा किया। ये प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का सौभाग्य है कि वो ऐसी अनेक सिद्धियों का निमित्त बन सके।

उन्होंने कहा कि कोई भी देश हो, वो अपना भविष्य तभी संवार सकता है, जब वो अपने इतिहास को सहेजकर रखता है। बीते वर्षों में भारत ने अपने इतिहास को सहेजा भी है, संवारा भी है। हमने 'नेशनल वॉर मेमोरियल' का निर्माण किया। हमने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक बनाई। हमने अंडमान में नेताजी सुभाष और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण किया। हमने दांडी में नमक सत्याग्रह स्मारक का निर्माण किया। हमने बाबा साहेब आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ को विकसित किया। हमने रांची में भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में म्यूजियम बनवाया। सरदार पटेल को समर्पित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, हमारे कार्यकाल में बनी। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस हमारी सरकार ने घोषित किया। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने का अवसर हमें मिला। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के रूप में याद करने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया। 26 दिसंबर को हमने साहिबजादों की स्मृति में 'वीर बाल दिवस' घोषित किया। 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित करने का फैसला भी हमारी ही सरकार ने किया। और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी हमारी ही सरकार के प्रयासों से घोषित किया।

झूठे वादे करने में विपक्ष का कोई जवाब नहीं

श्री मोदी ने कहा कि विपक्ष के हमारे दल भले ही योजनाओं को पूरा करना न जानते हों, लेकिन झूठे वादे करने में इनका कोई जवाब नहीं रहा है। बावजूद इसके आज एक वायदा करने से ये सारे राजनीतिक दल घबराते हैं। एक भी राजनीतिक दल के मुंह से नहीं सुना होगा आपने, जो वादा हम कर रहे हैं उसका जिक्र भी करने का सामर्थ्य उनके पास नहीं है। वो वायदा है—'विकसित भारत' का। इन लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि ये लोग भारत को विकसित नहीं बना सकते। सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही ऐसी पार्टी है, जिसने इसका सपना देखा है। हम मिशन मोड पर भारत को 2047 तक, देश जब आजादी का 100 साल मनाएगा, हम भारत को विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमने तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का संकल्प लिया है। ये मोदी की गारंटी है और जब मैं भारत को तीसरी आर्थिक ताकत बनाने की बात करता हूं...तो उसका मतलब भी बहुत गहरा है। इसका मतलब है, भारत के आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सामर्थ्य का कई गुना विस्तार। चहुं दिशा में विस्तार।

नॉर्थ-ईस्ट का विकास

श्री मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र के विकास पर हमारा पूरा फोकस है। नॉर्थ ईस्ट का उदाहरण आपके सामने है। पहले की सरकारों में नॉर्थ ईस्ट को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया था। क्योंकि पार्लियामेंट की सीटें कम है, उनका इंटरेस्ट ही नहीं था। हम वोट और सीटों के हिसाब से काम नहीं करते हमारे लिए देश का हर कोना समृद्ध हो विकसित हो यही हमारा भाव है। आज चाहे सियाचिन हो, या फिर देश के आकांक्षी जिले हों, कोई हमसे दूर नहीं है। वो गांव, जिन्हें पहले आखिरी गांव कहा जाता था, हमारे लिए देश के पहले गांव बन गए हैं। मेरे सारे कैबिनेट के मंत्री उन गांवों में रात बिता कर आए, कुछ को तो माइनस

15 डिग्री में रुकना पड़ा, क्योंकि आत्मसात करना चाहते हैं। हमारे लिए देश का हर हिस्सा महत्वपूर्ण है, हर हिस्से पर हमारा फोकस है। हमारी कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या में नॉर्थ-ईस्ट के मंत्री हैं। नागालैंड से पहली महिला सांसद राज्यसभा में सांसद बनी हैं। हमें गर्व है कि हमने पहली बार त्रिपुरा के मंत्री को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में शामिल किया। पहली बार हमारी सरकार में अरुणाचल प्रदेश को कैबिनेट मिनिस्टर मिला। पहली बार, गुर्जर मुस्लिम को राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया। हमारी सरकार में ही, गोवा से एक कैबिनेट मंत्री बनाया गया। हमें गर्व है कि हम भाजपा की एक ऐसी संस्कृति का हिस्सा हैं, जहां मंत्रालय में रिकॉर्ड ओबीसी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है।

सबका साथ, सबका विकास

श्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सबके लिए है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे काम से ही झलकता है। हमें गर्व होता है जब करतारपुर साहिब कॉरिडोर के द्वारा लाखों सिख श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी होती हैं। आप कल्पना कीजिए 70 साल तक भारत की सीमा रहकर सिख अनुयायी दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करते थे। हमने स्थिति बदली है। हमने लंगर की वस्तुओं से जीएसटी भी हटाया। हमने स्वर्ण मंदिर के लिए एफसीआरए रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया, जिससे विदेशियों को सेवा करने का अवसर मिला। पहली बार 'वीर बाल दिवस' मनाकर हमने सत्य और न्याय के लिए बलिदान देने वाले साहेबजादों के शौर्य को सम्मान दिया। आज केरल का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादे का बलिदान कैसा था। नागालैंड का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादों ने कितना बड़ा बलिदान दिया था। अफगानिस्तान से गुरुग्रंथ साहब के स्वरूपों को पूरे सम्मान से वापस लाए। इसके साथ ही, हमारी सरकार ने हज की प्रक्रिया में सुधार करके यात्रा को सुविधाजनक बनाया। आज बिना मेहरम के हज करना भी संभव हुआ है। इससे महिलाओं के लिए भी हज करना आसान हो गया है और हजारों महिलाएं गई।

हमारी सरकार सबके लिए है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे काम से ही झलकता है। हमें गर्व होता है जब करतारपुर साहिब कॉरिडोर के द्वारा लाखों सिख श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी होती हैं। आप कल्पना कीजिए 70 साल तक भारत की सीमा रहकर सिख अनुयायी दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करते थे। हमने स्थिति बदली है। हमने लंगर की वस्तुओं से जीएसटी भी हटाया। हमने स्वर्ण मंदिर के लिए एफसीआरए रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया, जिससे विदेशियों को सेवा करने का अवसर मिला। पहली बार 'वीर बाल दिवस' मनाकर हमने सत्य और न्याय के लिए बलिदान देने वाले साहेबजादों के शौर्य को सम्मान दिया

भारत की ताकत बढ़ रही है

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में जब मैंने शपथ ली, तो हमारे कई आलोचक कहते थे, मोदी जी एक राज्य के बाहर उनका क्या अनुभव है, इतना बड़ा देश, इतनी बड़ी दुनिया... मोदी क्या करेगा, लेकिन वो सब देख लें... विदेश नीति को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कही जाती थीं। मैं कुछ दिनों पहले ही यूएई और कतर से वापस आया हूं। तमाम देशों से हमारे रिश्ते कैसे मजबूत हुए हैं, ये आज दुनिया देख रही है। आज पश्चिमी एशिया के देशों से हमारे संबंध अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। 2015 में जब मैं यूएई गया था, आप हैरान हो जाएंगे, मेरे से पहले उसके 34 साल पहले तक कोई भी पीएम वहां नहीं पहुंचा था। सोचिए कि किस तरह हमने उस पूरे क्षेत्र को छोड़ रखा था। कांग्रेस की सरकारें, पूरे वेस्ट एशिया को सिर्फ पाकिस्तान के संदर्भ में देखा करती थीं। उन्हें भारतीयों की शक्ति और उनके विश्वास पर भरोसा ही नहीं था। लेकिन आज भारत इस क्षेत्र से संबंधों का नया अध्याय लिख रहा है। पहले लोग सोचते थे कि बस तेल का इंपोर्ट कर लेते हैं और यहां से सस्ते लेबर भेज देते हैं। ताकि उनको रोजी रोटी मिल जाए, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज ट्रेड, टेक्नॉलजी, टूरिज्म और ऐसे अनेक क्षेत्रों में हमारे संबंध बेहतर हो रहे हैं और हम निरंतर विकास कर रहे हैं। यहां तक कि अरब के 5 देशों ने मुझे अपना सर्वोच्च सम्मान तक दिया है। ये सम्मान मोदी का नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य का सम्मान है। विदेश नीति के जो भी जानकार हैं, वो विदेश से मिल रहे संकेत भी पकड़ रहे होंगे। आज अलग-अलग देशों में सत्ता और विपक्ष के दल ये खुलकर मानते हैं कि भारत के सशक्त होने से पूरी दुनिया का हित होने वाला है। ये पूरी दुनिया मानने लगी है। आज हर महाद्वीप में भारत का सम्मान, भारत की ताकत बढ़ रही है। हर देश भारत से गहरे संबंध बनाने पर जोर दे रहा है।

कांग्रेस— अस्थिरता की जननी

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस से देश को बचाना, देश के हर नागरिक को बचाना, भाजपा के हर प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड हम सभी के सामने है। कांग्रेस, अस्थिरता की जननी है। कांग्रेस...परिवारवाद की जननी है। कांग्रेस...भ्रष्टाचार की जननी है और कांग्रेस, तुष्टीकरण की भी जननी है। 70 के दशक में जब देश में कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा बढ़ना शुरु हुआ, तो खुद को बचाने के लिए इसने अस्थिरता का सहारा लिया। हर नेता की सरकार, कांग्रेस ने अस्थिर की। आज यहां प्रस्ताव के समय इसकी चर्चा आई है, मैं ज्यादा उसके लिए कहता नहीं हूं। आज भी ये लोग अस्थिरता पैदा करने के

लिए नई-नई साजिशें कर रहे हैं। इन लोगों ने मिलकर जो गठबंधन बनाया है, उसकी भी यही पहचान है। कांग्रेस के पास विकास का एजेंडा नहीं है, फ्यूचर का रोडमैप नहीं है। ये देश को कभी भाषा के आधार पर, तो कभी क्षेत्र के आधार पर बांटने में जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक सबसे बड़ा पाप ये रहा है कि वो देश की सेनाओं का मनोबल तोड़ने से भी पीछे नहीं रही है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक शक्ति को नुकसान पहुंचाने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। जब भी देश के रक्षा क्षेत्र में कोई बड़ा काम हुआ, जब हमारी सेनाओं ने कोई उपलब्धि हासिल की कांग्रेस ने हर बार उन पर सवाल उठाए। आप सिर्फ सोचिए कि पांच साल पहले इन लोगों ने क्या-क्या कहा था। इन लोगों ने हर कोशिश की कि हमारी वायुसेना को राफेल जैसे एडवांस एयरक्राफ्ट न मिल पाएं। इन्होंने अपप्रचार किया कि हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड को खत्म किया जा रहा है। ये लोग तो एचएएल के बाहर, फोटो तक खिंचाने चले गए, लेकिन देखिए कि एचएएल आज कैसे धूमधाम से आगे बढ़ रहा है। आज देखिए कितने सारे ऑर्डर उनके यहां बुक किए गए हैं। देखिए कि उसकी मार्केट वैल्यू कितना बढ़ गया है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने हमारी सेनाओं के सर्जिकल स्ट्राइक करने पर उनके पराक्रम पर सवाल खड़ा कर दिया। जब एयरस्ट्राइक हुई तो उसकी सफलता के प्रमाण मांगे जाने लगे। कांग्रेस, भारतीय सेनाओं के अपमान का कोई मौका नहीं छोड़ती।

आज देश की जनता कह रही है...

- भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई होती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- महंगाई पर लगाम लगी रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- देश के दुश्मनों में डर बना रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- निवेश और नौकरी के अवसर बढ़ते रहें...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बने...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान सफल हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- करोड़ों भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- किसानों को 'सम्मान निधि' मिलती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- शत-प्रतिशत लाभार्थी तक तेज़ी से हर लाभ पहुंचे...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।

हर लाभार्थी तक पहुंचना है

श्री मोदी ने कहा कि लाल किले से मैंने कहा था—यही समय है, सही समय है। भारत के इतिहास में आज वो समय आ गया है, जब हमें अपने देश का भाग्य बदल देना है। मैंने देशवासियों को लाल किले से कहा था कि अगर आप 10 घंटे काम करेंगे, तो मोदी 11 घंटे काम करेगा, अगर आप 12 घंटे काम करेंगे तो मैं 13 घंटे काम करूंगा, अगर आप 14 घंटा काम करेंगे तो मैं 15 घंटे काम करूंगा। मेरे साथियों, देशभर के मेरे कार्यकर्ताओं, देश उज्ज्वल भविष्य की आशा लगाए लोगों से मैं कहना चाहूंगा। आने वाले 100 दिनों तक भाजपा के हर कार्यकर्ता को अपने लिए नए लक्ष्य बनाने होंगे, उन्हें प्राप्त करना होगा। बीते वर्षों में भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लाभार्थियों को मिला है। आपको हर लाभार्थी तक पहुंचना है। मेरी एक व्यक्तिगत प्रार्थना है, करोगे। हर लाभार्थी के पास जाइए, उनको कहना कि प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी ने उन्हें प्रणाम कहा है और इसमें आपको 'नमो एप' से भी बड़ी मदद मिलेगी। आप 'नमो एप' के जरिए मेरा प्रणाम और मेरी चिट्ठी उन लाभार्थी तक जरूर पहुंचाएं। किसी भी बूथ में एक भी फर्स्ट टाइम वोटर ऐसा न हो, जिस तक भाजपा का कार्यकर्ता पहुंचा न हो। आपको उन्हें पिछले 10 वर्षों के काम और आने वाले 5 वर्षों के प्लान के बारे में बताना है। आपको उन्हें 'नमो एप' पर विकसित भारत का ब्रांड एंबेसेडर बनाना है। मतदान के दिन, इन सभी मतदाताओं को बूथ पर लाकर हमें 'कमल निशान' पर मतदान करवाना है। जहां एनडीए के साथी हों उनके निशान पर मतदान करवाना है। आपको याद रखना है, हमें सिर्फ सरकार बनाने के लिए ही लोगों को नहीं जोड़ना, बल्कि देश बनाने के लिए भी लोगों को जोड़ना है। जो किसी भी कारण से अभी भी भाजपा से दूर है, उन तक हमें पहुंचना है। 'सबका साथ-सबका विकास' ही हमारा मंत्र है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जो सपने देखे थे, अब उन्हें पूरा करने का समय आ गया है और इसके लिए भाजपा जरूरी है, भाजपा सरकार जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आज देश की जनता कह रही है...

- भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई होती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- महंगाई पर लगाम लगी रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- देश के दुश्मनों में डर बना रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- निवेश और नौकरी के अवसर बढ़ते रहें...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बने...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान सफल हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- करोड़ों भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- किसानों को सम्मान निधि मिलती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है

शत-प्रतिशत लाभार्थी तक तेज़ी से हर लाभ पहुंचे...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।

श्री मोदी ने कहा कि आप यहां से एक नए संकल्प के साथ अपने क्षेत्र में जाएं। अबकी बार...400 पार...इस मिशन पर हमें जुट जाना है। ■

प्रधानमंत्री ने 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' जम्मू का किया उद्घाटन

आईआईटी भिलाई, आईआईटी तिरूपति, आईआईआईटीडीएम कुरनूल, आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम विशाखापत्तनम और 'भारतीय कौशल संस्थान' कानपुर जैसे कई महत्वपूर्ण शिक्षा संस्थानों के परिसर भी राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 फरवरी को जम्मू में 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला भी रखी। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा, रेल, सड़क, विमानन, पेट्रोलियम और नागरिक बुनियादी ढांचे सहित कई क्षेत्रों से संबंधित हैं।

साथ ही, श्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को व्यापक, गुणवत्तापूर्ण और समग्र तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले एक कदम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), विजयपुर (सांबा), जम्मू का उद्घाटन किया। इस संस्थान का शिलान्यास प्रधानमंत्री ने फरवरी, 2019 में किया था।

इसके अलावा, श्री मोदी ने आईआईटी भिलाई, आईआईटी तिरूपति, आईआईएसईआर तिरूपति, आईआईआईटीडीएम कुरनूल के स्थायी परिसर; आईआईटी पटना और आईआईटी रोपड़ में शैक्षणिक और आवासीय परिसर और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के दो स्थायी परिसर— देवप्रयाग (उत्तराखंड) और अगरतला (त्रिपुरा) को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने आईआईएम विशाखापत्तनम, आईआईएम जम्मू और आईआईएम बोधगया के स्थायी परिसरों का उद्घाटन किया। उन्होंने कानपुर में उन्नत प्रौद्योगिकियों पर एक अग्रणी कौशल प्रशिक्षण संस्थान— भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का भी उद्घाटन किया।

श्री मोदी ने आईआईटी जम्मू, एनआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, एनआईटी दुर्गापुर, आईआईएसईआर बेहरामपुर, एनआईटी अरुणाचल प्रदेश, आईआईआईटी लखनऊ, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल कासरगोड सहित देश भर के कई उच्च शैक्षणिक संस्थानों में छात्रावास, शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, सभागार आदि जैसे बेहतर बुनियादी ढांचे का उद्घाटन कर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। ■

चीनी मौसम 2024-25 के लिए चीनी मिलों द्वारा देय गन्ने के 'उचित और लाभकारी मूल्य' को मिली मंजूरी

गन्ने का खरीद मूल्य 10.25 प्रतिशत की मूल वसूली दर पर 340 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया। केन्द्र सरकार के इस फैसले से 5 करोड़ से अधिक गन्ना किसानों (परिवार के सदस्यों सहित) और चीनी क्षेत्र से जुड़े लाखों अन्य लोगों को फायदा होगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 21 फरवरी को चीनी मौसम 2024-25 के लिए चीनी की 10.25 प्रतिशत वसूली दर पर की गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 340 रुपये/क्विंटल करने की मंजूरी दे दी। यह गन्ने की ऐतिहासिक कीमत है जो चालू मौसम 2023-24 के लिए गन्ने के एफआरपी से लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। संशोधित एफआरपी 01 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी।

गन्ने के ए2+एफएल मूल्य से 107 प्रतिशत अधिक पर नया एफआरपी गन्ना किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करेगा। गौरतलब है कि भारत पहले से ही दुनिया में गन्ने की सबसे ज्यादा कीमत चुका रहा है, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार भारत के घरेलू उपभोक्ताओं को दुनिया की सबसे सस्ती चीनी उपलब्ध करा रही है। केन्द्र सरकार के इस फैसले से 5 करोड़ से अधिक गन्ना किसानों (परिवार के सदस्यों सहित) और चीनी क्षेत्र से जुड़े लाखों अन्य लोगों को फायदा होगा। यह किसानों की आय दोगुनी करने की मोदी की गारंटी को पूरा करने की पुष्टि करता है।

इस मंजूरी के साथ चीनी मिलें गन्ने की एफआरपी 10.25 प्रतिशत की वसूली पर 340 रुपये/क्विंटल की दर से भुगतान करेंगी।

पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य सही समय पर मिले। पिछले चीनी सीज़न 2022-23 का 99.5 प्रतिशत गन्ना बकाया और अन्य सभी चीनी सीज़न का 99.9 प्रतिशत किसानों को पहले ही भुगतान किया जा चुका है, जिससे चीनी क्षेत्र के इतिहास में सबसे कम गन्ना बकाया लंबित है। ■

हरियाणा निवेश के लिए एक शीर्ष राज्य के रूप में उभर रहा है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 फरवरी, 2024 को हरियाणा के रेवाड़ी में 9750 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं शहरी परिवहन, स्वास्थ्य, रेल और पर्यटन से संबंधित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की हैं।

श्री मोदी ने कहा कि देश को विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकास आवश्यक है। उन्होंने आज हरियाणा के विकास के लिए सुसज्जित अस्पतालों के साथ-साथ रोडवेज और रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये की अनेक विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करने और आधारशिला रखने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने विकास परियोजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए एम्स रेवाड़ी, गुरुग्राम मेट्रो, कई रेल लाइनों और अनुभवजन्य संग्रहालय-अनुभव केंद्र ज्योतिसर के साथ नई ट्रेनों का उल्लेख किया। उन्होंने अनुभव केंद्र ज्योतिसर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विश्व को भगवद गीता में भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं से परिचित कराएगा और साथ ही भारतीय संस्कृति में हरियाणा की गौरवशाली भूमि के योगदान को भी उजागर करेगा।

उन्होंने रेवाड़ी में पूर्व सैनिकों को 'वन रैंक वन पेंशन' की गारंटी को पूरा करने को याद किया और अब तक लगभग 1 लाख करोड़ रुपये प्रदान करने की जानकारी दी। हरियाणा के कई पूर्व सैनिकों को इसका लाभ मिला है। ओआरओपी के लाभार्थियों को अब तक 600 करोड़ रुपये से ज्यादा मिल चुके हैं। पिछली सरकार ने ओआरओपी के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट रखा था जो अकेले रेवाड़ी में सैनिकों के परिवारों को मिलने वाली राशि से भी कम है।

श्री मोदी ने आश्वासन दिया कि वे रेवाडी एम्स का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर इलाज और डॉक्टर बनने का अवसर सुनिश्चित होगा। यह देखते हुए कि रेवाड़ी एम्स 22वां एम्स है, उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में 15 नए एम्स स्वीकृत किए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में 300 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। हरियाणा में भी हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज सुनिश्चित करने पर काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का वार्षिक रेल बजट जो 2014 से पहले औसतन 300 करोड़ रुपये के आसपास था, अब पिछले 10 साल में बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने रोहतक-मेहम-हांसी और जींद-सोनीपत के लिए नई रेलवे लाइनों और अंबाला कैंट-दप्पर जैसी लाइनों के दोहरीकरण का उल्लेख किया और कहा कि इससे लाखों लोगों को लाभ होने के साथ-साथ जीवन और व्यापार करने में आसानी होगी।

उन्होंने कहा कि जब वस्त्र और परिधान उद्योग में हरियाणा अपने लिए एक बड़ा नाम कमा रहा है। राज्य 35 प्रतिशत से अधिक कालीन निर्यात करता है और भारत में लगभग 20 प्रतिशत परिधान बनाता है।

श्री मोदी ने रेवाड़ी में विश्वकर्मा की पीतल की कारीगरी और हस्तशिल्प कारीगरी पर प्रकाश डालते हुए 18 व्यवसायों से संबंधित ऐसे पारंपरिक कारीगरों के लिए पीएम-विश्वकर्मा योजना की शुरुआत पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देशभर में लाखों लाभार्थी पीएम विश्वकर्मा योजना का हिस्सा बन रहे हैं और सरकार पारंपरिक कारीगरों और उनके परिवारों के जीवन में बदलाव के लिए 13,000 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है।

उन्होंने राज्य में महिलाओं के कल्याण के बारे में कहा कि हरियाणा की लाखों महिलाओं सहित देश भर में 10 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के साथ-साथ निःशुल्क गैस कनेक्शन और नल से जल की आपूर्ति की जा रही है। प्रधानमंत्री ने लखपति दीदी योजनाओं के बारे में कहा कि अब तक 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं, जबकि इस वर्ष के बजट के तहत इनकी संख्या 3 करोड़ तक बढ़ाने पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने नमो ड्रोन दीदी योजना का भी जिक्र किया जहां महिलाओं के समूहों को खेती में उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे उनके लिए अतिरिक्त आय पैदा हो रही है।

श्री मोदी ने हरियाणा के पहली बार के मतदाताओं के उज्ज्वल भविष्य पर बल देते हुए कहा, "हरियाणा अद्भुत संभावनाओं का राज्य है।" उन्होंने रेखांकित किया कि डबल इंजन सरकार हरियाणा को एक विकसित राज्य बनाने और हर क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने का प्रयास कर रही है, चाहे वह प्रौद्योगिकी हो या वस्त्र, पर्यटन या व्यापार। उन्होंने कहा, "हरियाणा निवेश के लिए एक अच्छे राज्य के रूप में उभर रहा है, और निवेश बढ़ने का अर्थ नई नौकरी के अवसरों में वृद्धि है।"

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर सहित हरियाणा सरकार के अन्य मंत्री और विधायक उपस्थित थे। ■

प्रधानमंत्री ने अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को स्वामीनारायण संप्रदाय के प्रमुख संतों की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया तथा पूजा विधि व आरती में भी भाग लिया। उद्घाटन से पहले श्री मोदी ने मंदिर में कृत्रिम रूप से तैयार की गईं गंगा और यमुना नदियों में जलार्पण किया। बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे याद है, जब मैं 2015 में यूएई में जब यहां आया था और तब मैंने महामहिम शेख मोहम्मद से इस मंदिर के विचार पर चर्चा की थी। मैंने भारत के लोगों की इच्छा उनके सामने रखी, तो उन्होंने पलक झपकते ही उसी पल मेरे प्रस्ताव के लिए हां कर दिया। उन्होंने मंदिर के लिए बहुत कम समय में ही इतनी बड़ी जमीन भी उपलब्ध करवाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मंदिर के निर्माण में यूएई की सरकार की जो भूमिका रही है, उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है, लेकिन इस 'भव्य मंदिर' का स्वप्न साकार करने में अगर सबसे बड़ा सहयोग किसी का है तो मेरे ब्रदर महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद का है। मुझे पता है कि यूएई के राष्ट्रपति की पूरी गवर्मेंट ने कितने बड़े दिल से करोड़ों भारतवासियों की इच्छा को पूरा किया है और इन्होंने सिर्फ यहां नहीं 140 करोड़ हिन्दुस्तानियों के दिल को जीत लिया है। 27 एकड़ में फैला यह भव्य मंदिर करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से बना है। इसका निर्माण नागर शैली में किया गया है। इसकी ऊंचाई 32.92 मीटर, लंबाई 79.86 मीटर और चौड़ाई 54.86 मीटर है। मंदिर के बाहरी हिस्से में 96 घंटियां लगाई गई हैं और मंदिर में सात शिखर हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में 14 फरवरी, 2024 को बीएपीएस मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जम्मू में 20 फरवरी, 2024 को जम्मू एवं कश्मीर के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दुबई में 14 फरवरी, 2024 को 'विश्व सरकार शिखर सम्मेलन' में विश्व नेताओं की सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में 13 फरवरी, 2024 को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत–यूएई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अबू धाबी में 14 फरवरी, 2024 को मेडागास्कर के राष्ट्रपति श्री एंड्री राजोएलिना के साथ एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दोहा (कतर) में 15 फरवरी, 2024 को कतर के अमीर शेख, तमीम बिन हमद अल थानी के साथ द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 28 फरवरी, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह